RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः28 , गुरुवार, 12 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

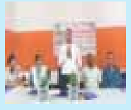
विद्यालयों व आंगनवाड़ी केंद्रों में आपदा प्रबंधन पर इंटरफेस कार्यक्रम, बच्चों की सुरक्षा पर जोर... 03

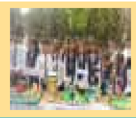
क्रिएशन गुरुकुल के नन्हे वैज्ञानिकों ने बिखेरी चमक 04

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की स्पाई थ्रिलर अल्फा की बदली... 07

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का पीएम मोदी पर बड़ा हमला

● पश्चिम एशिया युद्ध और रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस

के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में आसन्न युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है।

सऊदी अरब का साथ दिया तो बहुत बुरा होगा अंजाम

● ईरानी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को दी चेतावनी, शहबाज भी अड़े

तेहरान/इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सऊदी का साथ देने को लेकर चेतावनी दी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता ने कहा था कि जब भी जरूरत होगी पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए आएगा, इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति ने शहबाज शरीफ को चेतावनी दी है। पाकिस्तान से सऊदी अरब के साथ पिछले

साल नाटो देशों जैसा समझौता किया था जिसके तहत एक देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। ईरान के हमलों के बीच दो दिन पहले पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने रियाद में सऊदी अरब के रक्षा मंत्री से मुलाकात की थी। इसके बाद सऊदी अरब की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया था कि सऊदी ने पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौते को एक्टिवेट कर दिया है। जिसके बाद अब ईरान के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को चेतावनी दी है कि अगर युद्ध की जिम्मेदारी को नजरअंदाज किया गया तो दुनिया की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

पंचायती राज वाले चुनावों में भाजपा का सूपड़ा होगा साफ

● दिल्ली से आई रिपोर्ट के बाद कांग्रेस नेता डोटासरा का दावा

नागौर (एजेंसी)। राजस्थान की सियासत में एक बार फिर रिपोर्ट कार्ड की जंग छिड़ गई है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने दिल्ली से आई एक कथित खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए राज्य की भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला है। डोटासरा का दावा है कि इंटेलीजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, आगामी पंचायती राज चुनावों में भाजपा का

सफाया तय है, और यही वजह है कि सरकार चुनाव कराने से कतरा रही है। डोटासरा ने कड़े लहजे में कहा कि राजस्थान के गांवों में बैठी जनता अब हिसाब मांग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीयत में खोट है। डोटासरा के अनुसार–दिल्ली की आईबी रिपोर्ट साफ कह रही है कि पंचायती राज चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होने वाला है। गांव का किसान और मजदूर पूछ रहा है कि इस सरकार ने पिछले कार्यकाल में उनके लिए क्या किया। जनता के इसी आक्रोश से घबराकर सरकार चुनाव टालने के बहाने ढूंढ रही है। ओबीसी आरक्षण और निकाय चुनावों के मुद्दे पर डोटासरा ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर ओबीसी आयोग को रिपोर्ट देने से रोक रही है। डोटासरा ने चुनौती देते हुए कहा कि सरकार कहती है डेटा नहीं है, जबकि मैं खुद 7 दिन में पंचायतवार, समिति वार और जिला वार पूरा सर्वे करके दे सकता हूं। असल में सरकार ने आयोग से कह रखा है कि हमने आपको बनाया है, इसलिए आप अभी रिपोर्ट मत देना।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार दी है इच्छामृत्यु की इजाजत

● 13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए

या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया।

● **हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे थे, तब से बिस्तर पर**– दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने–पीने की नली और वेंटीलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं।

भारत आ रहे थाईलैंड के कार्गो शिप पर बड़ा हमला

● होर्मुज जलडमरूमध्य के पास दागे गए रॉकेट, लगी आग

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास थाईलैंड के एक कार्गो शिप पर हमला हुआ है। यह कार्गो शिप भारत के गुजरात की ओर आ रही थी। इस शिप से कोई अनजान प्रोजेक्टाइल टकराई है, जिससे उसमें आग लग गई। इस कारण शिप पर मौजूद 20 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू किया गया है, जबकि तीन अब भी उसमें फंसे हुए हैं। मरीन सिक्योरिटी सोर्स और शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, शिप, जिसकी पहचान मयूरी नारी के तौर पर हुई है। इसे ओमान के उत्तरी तट से लगभग 11 नॉटिकल मील दूर निशाना बनाया गया था। थाईलैंड की सरकार ने पुष्टि कि है कि इस हमले के बाद शिप पर सवार 20 क्रू मेंबर्स को बचा लिया गया, जबकि तीन क्रू मेंबर्स अभी भी उस पर हैं। रॉयल थाई नेवी और यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस दोनों ने बताया कि 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में एक कार्गो शिप पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से टक्कर हुई है। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन ने नंबर के साथ ही शिप के हल और सुपरस्ट्रक्टर को वेरिफाई किया है, जो उसके तस्वीरों से मैच करते हैं।

मिडिल-ईस्ट में फंसे भारतीयों को अकेला नहीं छोड़ेंगे

● पीएम मोदी ने केरल में लोगों को दिया हर संभव मदद का भरोसा ● कहा-कांग्रेस के युवराज छोटे दायरे में सिमटे ,उन्हें विकास नहीं दिखेगा

चेन्नई/कोच्चि (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को केरलम (केरल) दौरे पर हैं। उन्होंने एर्नाकुलम के कोच्चि में 10,800 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद एनडीए की एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान लोकसभा सांसद राहुल गांधी की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा- कांग्रेस के युवराज को यह नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में कमाल कर रहे हैं। उन्हें

यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपने छोटे दायरे में सिमटा हो, उसे देश का विकास कभी नहीं दिखेगा। पीएम ने कहा- खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है, लेकिन आज देश में बीजेपी की सरकार है। जब भी हमारा कोई देशवासी मुसीबत में फंसा है, हमने उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है।

केरल को मलयाली नाम मिला, लोगों के चेहरों पर इसकी खुशी

एनडीए की सभा से पहले पीएम अखिल केरल धीवर सभा के गोल्डन जुबली समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा– केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मलयाली लोगों के लिए खुशी का पल है। उनके चेहरे पर खुशी साफ दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोच्चि में रोड शो भी किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित करीब 300 मीटर लंबे रोड शो के दौरान कार की सनरूफ से लोगों का अभिवादन किया।

● **खाड़ी युद्ध ने आत्मनिर्भरता के महत्व का सबक सिखाया** – खाड़ी में जारी युद्ध ने हमें एक बार फिर आत्मनिर्भरता के महत्व का सबक सिखाया है। हमने देखा है कि कोविड संकट, यूक्रेन संकट और मौजूदा संकट के दौरान आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है। कांग्रेस जानबूझकर भड़काऊ और गैर–जिम्मेदाराना बयान दे रही है ताकि हालात और बिगड़ें। ताकि हमारे लोग उसी संकट में फंसे रहें और फिर ये लोग मोदी को गाली देने वाले रील बनाकर अभियान चला सकें। केरलम के पास नेचर, कल्चर, टैलेंट, टेक्नोलॉजी और विशाल सागर का आशीर्वाद है। इसके बावजूद राज्य का विकास उस गति से नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था।

● **अगले पांच साल बीजेपी को मौका दीजिए** – इस बार यहां बीजेपी–एनडीए सरकार बनाइए। आपने कांग्रेस और लेफ्ट को 70 साल से ज्यादा दिए हैं। अब एनडीए–बीजेपी को अगले 5 साल सेवा करने का मौका दीजिए। आपको विकसित केरलम की शानदार झलक देखने मिलेगी। ये मोदी की गारंटी है। जो अब तक नहीं बदला, अब बदलेगा। विकसित केरलम के लिए सबसे बड़ी जरूरत टूरिज्म, टैलेंट और टेक्नोलोजी को नए अवसर देना है। कांग्रेस को केरल के युवाओं के सामर्थ्य पर भरोसा ही नहीं है। कांग्रेस के युवराज को ये भी नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में कितन कमाल कर रहे हैं। एक तरफ बीजेपी–एनडीए देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और वामपंथी दल टांग खीच रहे।

भारतीय रेलवे पर भी पड़ी एलपीजी संकट की मार!

● ट्रेन में करना पड़ सकता है भूखा सफर, सप्लाई प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजरायल युद्ध के कारण भारत समेत कई देशों में एलपीजी और एलएनजी की किल्लत हो गई है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक देशभर में एलपीजी सिलेंडर की कमी का असर रेलवे कैटरिंग पर भी पड़ने लगा है। ऐसे में रेलवे अस्थायी रूप से ट्रेनों में पकाए जाने वाले भोजन की सेवा

रोकने पर विचार कर रहा है। जिन यात्रियों ने टिकट बुकिंग के समय भोजन प्री-बुक किया है, उन्हें रिफंड देने पर भी विचार किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रेलवे ने अपने सभी लाइसेंसधारकों को वैकल्पिक कुकिंग सिस्टम अपनाने के निर्देश दिए हैं। आईआरसीटीसी ने लाइसेंसधारी वेंडर्स से कहा है कि वे सतर्क रहें।

यूपी-बिहार में पुलिस सुरक्षा में बंट रहे हैं सिलेंडर

● एलपीजी की भारी किल्लत,देश में लगी लंबी कतार ● राजस्थान और गुजरात में शुरू हो गई कालाबाजारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है। जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं। कैटरर्स का कहना है कि ये इमरजेंसी जैसी स्थिति है। होटल, रेस्टॉरेंट कारोबार और शादियों के अलावा सोना-चांदी आभूषण बनाने वाले कारीगरों और रेहड़ी पर भी संकट खड़ा हो गया है। भोपाल सराफा एसोसिएशन के नवनीत अग्रवाल ने बताया कि शहर में करीब 3 हजार कारीगर काम करते हैं।

● **उत्तर प्रदेश में पुलिस सुरक्षा में बंट रहे सिलेंडर**– उत्तर प्रदेश में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। गोरखपुर–सिद्धार्थनगर में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। एजेंसियों पर तड़के 3 बजे से ही लोग लाइन लगाने पहुंच रहे हैं। घंटों इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वजह– सिलेंडर कम हैं और लेने वालों की संख्या ज्यादा। गोरखपुर में लाइन के बीच एक युवक सिलेंडर लेकर घुसने लगा। इसका दूसरे युवक ने विरोध किया तो दोनों के बीच मारपीट हो गई। पुलिसकर्मियों के सामने ही दोनों ने एक–दूसरे को लात–घूंसे मारे। बाद में पुलिस दोनों को पकड़कर ले गई।

● **बिहार में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंच रहे**– यहां भी 2 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद है। इस वजह से होटल, रेस्टॉरेंट पर असर पड़ा है। घरेलू गैस को लेकर भी राज्य के कई जिलों में लोगों की लंबी कतार दिखी। गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बिल्कुल बंद हो गई है। ऐसे में अलग–अलग एजेंसी तय दाम से ज्यादा में सिलेंडर की कालाबाजारी कर रही है।

ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

● बड़ा दावा-गूगल-अमेजन ऑफिस पर हमला हो सकता है ● इजराइल पर अब तक का सबसे बड़ा हमला शुरू किया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 12वां दिन था। ईरान ने दावा किया है कि उसने इजराइल के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा हमला शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने इजराइल और मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ईरानी मीडिया की एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बना

सकता है। संभावित टारगेट की सूची में गूगल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया और ओरेकल जैसी कंपनियों के नाम बताए गए हैं। इजराइल, दुबई और अबू धाबी में मौजूद इन कंपनियों के ऑफिस और डेटा सेंटर भी निशाने पर हो सकते हैं।

ईरान ने खाड़ी देशों पर मिसाइल-ड्रोन दागे

मिडिल–ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने कहा कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों को इंटरसेप्ट करने में लगे हैं। यूएई सरकार के मुताबिक देश की एयर डिफेंस प्रणाली मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने की कोशिश कर रही है। इन हमलों के दौरान देश के कुछ हिस्सों में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। कतर के रक्षा मंत्रालय ने भी मिसाइल हमले की पुष्टि की है। मंत्रालय के अनुसार कतर की सेना एक मिसाइल को इंटरसेप्ट करने की कार्रवाई कर रही है, जिसे देश को निशाना बनाकर दागा गया था।

● **लेबनान सीमा पर इजराइल बढ़ाएगा सैन्य ताकत**– इजराइली सेना ने लेबनान सीमा से लगे उत्तरी क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिक भेजने का फैसला किया है। सेना ने कहा कि हालिया स्थिति की समीक्षा के बाद सेना प्रमुख ने उत्तरी कमांड सेक्टर में सैन्य बल बढ़ाने का आदेश दिया है। सेना के बयान के मुताबिक दक्षिणी कमांड से गोलानी ब्रिगेड की कॉम्बैट टीम को उत्तरी क्षेत्र में फिर से तैनात किया जाएगा। यह कदम सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए उठाया गया है। लेबनान में इजराइल के हालिया हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 570 हो गई है, जबकि 1444 लोग घायल हुए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि ये हमले 2 मार्च से लगातार जारी हैं मंत्रालय के मुताबिक मंगलवार को ही 84 लोगों की मौत हुई और 131 लोग घायल हुए। हालिया हमलों में यह एक दिन का बड़ा नुकसान बताया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इजराइल के लगातार हवाई और सैन्य हमलों के कारण देश में हालात गंभीर बने हुए हैं।

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

● शाह बोले-आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे; विपक्ष ने माफी मांगो के नारे लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर को नियमों के उल्लंघन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे,उनका माइक बंद होगा। शाह ने कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, अरे भाई यहां नियमों से बोलना पड़ता है, यहां इतने वरिष्ठ सदस्य बैठे हैं, मुझे तो अभी भी नहीं मालूम पड़ता कि शशि थरूर, बालू साहब बैठे हैं, क्यों नहीं सिखाते उन्हें। इतना सीखा दें तो समस्या का वहीं समाधान हो जाए। वे कहते हैं, हमें बोलने नहीं देते हैं। ये पीएम मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं। मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। शाह के जवाब के बाद स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया।

संक्षिप्त समाचार

'धुरंधर' का गाना बजाते लॉन्ग ड्राइव पर निकले तेजप्रताप

पटना। लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) नेता तेज प्रताप यादव एक बार फिर अपने अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। इस बार वह लॉन्ग ड्राइव को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। तेज प्रताप यादव ने अपनी मर्सिडीज कार से लॉन्ग ड्राइव का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें कार की स्पीड 140 किमी प्रति घंटा से अधिक दिखाई दे रही है। बैकग्राउंड में धुरंधर फिल्म का रोमांटिक गाना 'बेताब सा मोहब्बत का तू इंकलाब है', गाना बज रहा है।

तेज प्रताप यादव ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम के TY ब्लॉग पर पोस्ट किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "लॉन्ग ड्राइव, खुली सड़क और अपने लोग... बस यही असली खुशी है।" बताया जा रहा है कि जिस मर्सिडीज कार को तेज प्रताप ड्राइव कर रहे थे, उसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए के आसपास है। तेजप्रताप के इस वीडियो पर यूजर्स ने कई तरह के कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा उज्जैनी के पापा। साहिल नाम के एक यूजर ने लिखा, "लगता है फिर भाभी की याद आ गई है।" पार्टी से निकाले जाने से पहले तेजप्रताप यादव के एक लड़की के साथ तस्वीर वायरल हुई थी। उस लड़की का नाम अनुष्का यादव बताया गया। तेज प्रताप ने अपने एक्स पर अनुष्का के साथ तस्वीर शेयर की और प्यार का इजहार किया। हालांकि वो बाद में इससे मुकर गए। उज्जैनी उसी अनुष्का यादव की बेटी है।

ईरान-इजराइल युद्ध, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित, होटल-रेस्टोरेंट को अभी नहीं मिलेगा सिलेंडर

पटना। पटना में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव के कारण आयात में संभावित बाधाओं को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित कर दी है।

फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को ही उपलब्ध कराए जाएंगे। तेल विपणन कंपनियों ने एलपीजी वितरकों को निर्देश दिया है कि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गैस सिलेंडर की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी जाए। जरूरी सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए सीमित मात्रा में कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पताल और स्कूलों को दिए जाएंगे।

घरेलू सिलेंडर बुकिंग का समय बढ़ा: इसी बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया गया है। पहले एक सिलेंडर बुक करने के 21 दिन बाद दूसरा सिलेंडर बुक किया जा सकता था, लेकिन अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। बताया जा रहा है कि बॉटलिंग प्लांट में मौजूद स्टॉक को फिलहाल घरेलू सिलेंडरों की भराई के लिए सुरक्षित रखा जा रहा है, ताकि आम उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी हो सकें। एजी कॉलोनी निवासी शशिकांत सिंह ने बताया कि, 'कई दिनों से गैस बुकिंग की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन नंबर नहीं लग रहा। घर में शादी का माहौल है, इसलिए काफी परेशानी हो रही है।' रूपसपुर निवासी सुबोध ने बताया कि गैस खत्म होने के बाद से लगातार एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन बुकिंग नहीं हो पा रही है।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर 5.75 करोड़ की ठगी, 2 महीने में 19 केस, क्रिप्टो करंसी-शेयर मार्केट

पटना। इन दिनों सोशल मीडिया पर एडवरटाइजमेंट निकालकर आम लोगों से ठगी हो रही है। खासकर पढ़े लिखे नौकरीपेशा वाले लोग इसके शिकार बन रहे हैं। पिछले जनवरी महीने से अब तक 2 महीने के भीतर 19 मामले सामने आए हैं। इसमें 5,75,81,608 (5.75 करोड़) रुपये की ठगी हुई है। इसमें लोगों से क्रिप्टो करेंसी, Mutual Fund, गेमिंग एप, शेयर मार्केट, ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की गई है।

इसमें से अधिकतर निवेश करने वाले नौकरी पेशे से जुड़े हैं। साइबर SHO नीतिश चंद्र धारिया(DYSP) ने बताया कि, 'इन दिनों कम समय में ज्यादा मुनाफा देने के नाम पर इन्वेस्टमेंट के लिए सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए एडवटाइजमेंट निकाले जा रहे हैं। इनके टेलीग्राम, WhatsApp ग्रुप वगैरह भी है, जिसमें जो लोग एडवर्टाइजमेंट के जरिए संपर्क करते हैं, उन्हें जोड़ा जाता है। छोटे-छोटे अमाउंट में इन्वेस्टमेंट के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। भरोसा जीतने के लिए कभी कभार साइबर अपराधी रुपए वापस भी करते हैं। जैसे लोगों का विश्वास जमने लगता है, निवेश के नाम पर बड़े अमाउंट्स अलग-अलग एकाउंट्स में मंगा लेते हैं। जब तक लोगों को समझ में आता है तब तक वह काफी आगे निकल चुके होते हैं।'

बिहार वीमेंस कबड्डी लीग का आयोजन, सभी खिलाड़ियों को महिला कोच दे रही ट्रेनिंग

पटना। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के इंडोर हॉल में आज से बिहार वीमेंस कबड्डी लीग का आयोजन होगा। यह चैंपियनशिप, लीग का दूसरा संस्करण है। इसमें छह टीमों के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। राज्य भर से चुनी हुई महिला खिलाड़ी मैच में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। इस बार लीग का पैटर्न कबड्डी चैंपियंस लीग (KCL) के पैटर्न पर होगा, ताकि मैच रोमांचक हो। इस लीग में हर मैच डू और डाई मैच होगा। कोई भी मैच टाई नहीं होगा। 17 मार्च तक इस लीग का आयोजन किया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि यह पहला मौका है जब सभी छह टीमों को कोच और असिस्टेंट कोच महिला है, जो उन्हें ट्रेनिंग दे रही है। हमने पुराने कबड्डी प्लेयर्स को ही कोच बनाया है, ताकि नए प्लेयर्स को तैयार करके अपने प्रतिभा को निखारेंगे। इसके साथ ही इस माध्यम से हमें ये भी पता चल जाएगा कि बिहार में इस खेल के लिए कोच बनने लायक कौन लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि कल शाम ट्रॉफी का अनावरण उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह करेंगी। इस दौरान बिहार के DGP विनय कुमार और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत भी मौजूद रहेंगे। इसके माध्यम से अच्छे खिलाड़ियों को सिलेक्ट कर कैंप लगाई जाएगी, जिसमें उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। ताकि कॉमनवेल्थ गेम्स, ओलिंपिक गेम्स में प्लेइंग 7 में भारतीय टीम में बिहार के 2 खिलाड़ी जरूर रहे। अब हम हरियाणा, पंजाब का पूंछ पकड़कर नहीं चलेंगे। हम अब अपनी पहचान खुद बनाएंगे। बिहार कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने कहा कि इस लीग के माध्यम से बिहार में छिपी हुई प्रतिभा को निखार जाएगा। भाग लेने वाली छह टीमों में- सीतामढ़ी सेटनेल्स, मगध वारियर्स, सारण स्ट्राइकर्स, पटना पेलिकन, नालंदा निंजा और सीवान टाइटंस है। इस लीग को जीतने वाली टीम को 1.5 लाख रुपये, दूसरे स्थान पर आने वाले को 75 हजार रुपये और तृतीय विजेता को 51 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, लीग खेलने के लिए 5 हजार रुपये हर प्लेयर को दिया जाएगा, चाहे वो जीते या हारे। वहीं, बिहार में महिलाओं के लिए प्रो कबड्डी लीग कराने की भी तैयारी चल रही है। इसके लिए हम लोग सरकार से बातचीत कर रहे हैं।

बिहार में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं- विजय सिन्हा

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य में पेट्रोल-डीजल की कमी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य में ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि, 'कुछ जगहों पर थोड़ी बहुत परेशानी जरूर देखने को मिल सकती है, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार लगातार पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा रहे हैं।'

पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें- विजय सिन्हा: विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि, 'राज्य में ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है। अगर कहीं थोड़ी बहुत दिक्कत सामने आती है तो प्रशासन उसे तुरंत ठीक करने का काम कर रहा है। सरकार का प्रयास है कि आम जनता को रोजमर्रा के कामों के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।'

ब्लैक मार्केटिंग करने वालों पर सरकार की नजर - विजय सिन्हा: विजय कुमार सिन्हा ने साफ कहा कि ,'मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर कहीं भी कालाबाजारी की शिकायत मिलती है तो तुरंत कार्रवाई की जाए। सरकार किसी भी हाल में आम लोगों का शोषण होने नहीं देगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा'

बंगाल में SIR को लेकर ममता बनर्जी पर साधा निशाना: पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, 'हाल ही में पश्चिम बंगाल के एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था और वहां की स्थिति को देखा। जनता अब समझ चुकी है कि चुनाव आयोग का SIR कराना सही दिशा में है।'

चुनाव आयोग के फैसले को बताया सही: विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि, 'चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया कदम लोकतंत्र को मजबूत करने वाला है। मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना जरूरी है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय बनी रहे। इसी वजह से अब पश्चिम बंगाल में इस मुद्दे पर विरोध भी कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना धरना भी समाप्त कर दिया है।'

पटना में डिप्टी सीएम बोले- ब्लैक मार्केटिंग पर कड़ी नजर, कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई करेंगे

कर्मचारियों की हड़ताल पर सरकार ने जताई नाराजगी: राज्य में चल रही कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर भी उपमुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि, 'सरकार पहले ही कर्मचारियों की मांगों को सुनने और उन पर विचार करने के लिए तैयार है। कर्मचारियों की कुछ मांगें पिछले साल से लंबित हैं और सरकार ने पहले ही कहा था कि इन मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इसके बावजूद मार्च जैसे महत्वपूर्ण महीने में हड़ताल करना उचित नहीं है।'

संवाद से समाधान की अपील: विजय कुमार सिन्हा ने कर्मचारियों से हड़ताल खत्म कर बातचीत के रास्ते समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि, 'हड़ताल और जिद से व्यवस्था में सुधार नहीं होता, बल्कि संवाद से ही समस्याओं का हल निकलता है। सरकार हमेशा अच्छे काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान करती रही है और आगे भी करती रहेगी। कर्मचारियों की जायज मांगों पर सरकार पूरी सहानुभूति के साथ विचार करेगी।'

शिक्षकों के प्रयास से छात्रवृत्ति परीक्षा में बढ़ी भागीदारी, 85 हजार विद्यार्थियों ने भरा फॉर्म

पटना। राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (NMMSS) परीक्षा 2026 के लिए इस वर्ष बिहार से रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस बार लगभग 85 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब दोगुना बताया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय Teachers of Bihar के एग्जाम सेल और राज्यभर के शिक्षकों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान, ऑनलाइन तैयारी कार्यक्रम और निरंतर मार्गदर्शन को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। शिक्षकों ने विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित किया। साथ ही मॉक टेस्ट, अध्ययन सामग्री और नियमित मार्गदर्शन के माध्यम से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाया गया। इसी का परिणाम है कि इस वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन किया है। आवेदन के मामले में कई जिलों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। बेगूसराय से 5202, समस्तीपुर से 5080, गोपालगंज से 4658, मुजफ्फरपुर से 4053 और मधुबनी से 4040 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इन जिलों के शिक्षकों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान और तैयारी सत्रों का सकारात्मक असर छात्रों की भागीदारी में साफ दिखाई दे रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए रंजेश कुमार (प्रदेश प्रवक्ता) और मृत्युंजय कुमार (प्रदेश मीडिया संयोजक) ने बताया कि शिक्षकों की जागरूकता और विद्यार्थियों की मेहनत के कारण इस वर्ष NMMSS परीक्षा के लिए रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी इसी तरह के प्रयासों के माध्यम से राज्य के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास जारी रहेगा।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सामूहिक प्रयासों से न केवल छात्रवृत्ति परीक्षाओं में भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण और सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।

जदयू ऑफिस में सीएम के बेटे की आरती उतारी गई, अचानक पार्टी दफ्तर पहुंचे निशांत

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार बुधवार को अचानक से JDU ऑफिस पहुंचे। जहां JDU के तमाम कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के 'बिहार का CM कैसा हो, निशांत कुमार जैसा हो' के नारे लगाए। निशांत के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और उनके समर्थन में नारे लगाने लगे।

निशांत करीब 30 मिनट तक पार्टी ऑफिस में रुके। उनके निकलने के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने उनकी आरती उतारी। इस दौरान भी उन्हें CM बनाने की मांग होती रही। निशांत ने 8 मार्च को JDU जॉइन की है। पार्टी जॉइन करने के बाद से वे लगातार राजनीति में एक्टिव हैं। जदयू दफ्तर में निशांत के साथ शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि हर बुधवार को पार्टी दफ्तर में जनता दरबार लगता है। उसको लेकर ही मैं पार्टी ऑफिस पहुंचा था। यहां पर हमने लोगों की समस्याएं सुनी।

सुनील कुमार ने कहा कि,निशांत जी भी पार्टी ऑफिस पहुंचे हैं, कार्यकर्ताओं से उनकी बातचीत कर

रहे हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि आपके कई नेता और कार्यकर्ता उनको CM बनाने की मांग कर रहे हैं। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि ये तो स्वाभाविक सी बात है। निशांत कुमार ने 8 मार्च यानी रविवार को JDU की सदस्यता ली थी। शपथ लेने के बाद उन्होंने अपने पिता नीतीश कुमार का आशीर्वाद लिया। पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें जदयू का गमछा और टोपी पहनाकर पार्ट की सदस्यता दिलाई थी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह समेत जदयू के कई दिग्गज नेता और सैकड़ों मौजूद रहे। सोमवार को निशांत कंकड़बाग स्थित मंजू सिन्हा पार्क पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपनी मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था। निशांत ने कहा था कि, 'यहां मेरी मां की प्रतिमा है, माल्यार्पण करने आया हूं। मां की बहुत याद आ रही है, उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर बना रहे। उनकी कमी महसूस होती है, वो रहती तो और अच्छा होता।'

नीट छात्रा रेप-मौत, मनीष रंजन को नहीं मिली जमानत

एजेंसी, पटना

NEET छात्रा रेप-मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल बिल्डिंग के मालिक मनीष रंजन को आज यानी बुधवार को भी जमानत नहीं मिली। इस मामले की कल फिर से सुनवाई होगी। पॉक्सो कोर्ट में आज जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। CBI चार बंडलों में अपनी जांच रिपोर्ट और केस से जुड़े दस्तावेज लेकर पहुंची थी। करीब ढाई घंटे चली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने फिर CBI को फटकार लगाते हुए पूछा, 20 दिनों से CBI मूकदर्शक बनी है। जब आपको केस हैंडओवर किया गया, तब आपको इसकी जानकारी थी या नहीं कि मनीष कस्टडी में है? ये क्यों नहीं माना जाए कि आपकी लापरवाही की वजह से वो 14 फरवरी से 11 मार्च तक गैरकानूनी तरीके से जेल में है? इसका कॉम्पनसेशन कौन देगा?

कोर्ट ने मनीष से पूछा- घटना की जानकारी किसने दी?: कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि लड़की के मौत को दो महीने हो गए हैं और अब तक कारण पता नहीं है। केस की पहली IO रौशनी का बयान SIT से मैच नहीं कर रहा है और इन दोनों का बयान CBI से मैच नहीं कर रहा है। 5-6 जनवरी को मनीष कहां था?

जांच एजेंसी की जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर कोर्ट ने सीधे मनीष रंजन से पूछ लिया कि आपको घटना की जानकारी किसने दी? इसके जवाब में मनीष ने बताया कि 5 जनवरी की सुबह 10 बजे मैं बेटी को लेकर पावापुरी मेडिकल कॉलेज गया था। फिर उसी दिन रात के 8 बजे वापस लौटा।

6 जनवरी की सुबह 10:30 बजे अपने ऑफिस के लिए निकल गया। 7 जनवरी की सुबह उसे हॉस्टल संचालिका नीलम अग्रवाल ने घटना की जानकारी दी थी। दूसरी तरफ SIT ने नीलम का बयान पढ़ा और बताया कि मनीष को वार्डन से जानकारी हुई होगी। हमने नहीं बताया है। कोर्ट ने पटना पुलिस से पूछा कि मनीष रंजन को कस्टडी में लेने के बाद उससे पूछताछ हुई या नहीं? इसपर SIT ने बताया कि 4 फरवरी को जेल में उससे पूछताछ हुई थी। फिर पूछताछ में क्या मिला? आज कोर्ट में पीड़िता के वकील ने एक ऑडियो सुनाया। उन्होंने दावा किया कि गवाहों को धमकाया जा रहा है।

कोर्ट ने CBI से पूछा- मनीष को बेल दे दी जाए, कोई दिक्कत?: कोर्ट ने फिर CBI से पूछा कि, चित्रगुप्त नगर थाना का केस नंबर 14/2026 की जांच आप कर रहे हैं या नहीं? मनीष रंजन से आपको कोई मतलब है या नहीं? मनीष को बेल दे दी जाए, आपको कोई दिक्कत? इस पर CBI के ASP ने कहा कि नहीं, अभी कोई मतलब नहीं है।

कोर्ट ने SIT इंचार्च से किया सवाल: कोर्ट ने पटना पुलिस के SIT इंचार्ज और SDPO

♦ कोर्ट ने फिर सीबीआई को लगाई फटकार, कहा- गैरकानूनी तरीके से जेल में रखा है, कॉम्पनसेशन कौन देगा?

सचिवालय डॉ. अन्नु कुमारी से सवाल किया। आप इस केस की जांच कर रही हैं या नहीं? मनीष को बेल देने से आपको कोई फर्क पड़ेगा? तब SIT ने जवाब दिया- नहीं। कोर्ट ने मेडिसिन स्ट्रिप के बारे में पूछा, जो शुरुआती जांच में SIT को मिले थे। एविडेंस में 3 स्ट्रिप ही दिखाया गया। इस पर सवाल पूछा कि जब 6 स्ट्रिप मिले तो एविडेंस में 3 ही क्यों है? ये किस तारीख को मिला था? इस पर SIT ने जवाब दिया कि 6 जनवरी को छात्रा के कमरे में मिला था। फिर वापस कमरे में ही रख दिया और 7 जनवरी को वहां से उठाया।

स्पेशल पीपी ने मनीष रंजन की जमानत का विरोध किया: सुनवाई के दौरान स्पेशल पीपी सुरेश चंद्र प्रसाद ने मनीष रंजन की जमानत का विरोध किया। कहा कि मनीष ही इस केस का मास्टरमाइंड है। इसके कस्टडी में रहने पर बहुत सारी बातें सामने आएंगी। इसपर कोर्ट ने पूछा कि हम किस ग्राउंड पर रखेंगे? इसके बाद पीड़िता के वकील एसके पांडेय ने अपना पक्ष रखते हुए महाराष्ट्र और कर्नाटक हाइकोर्ट के पोक्सो केस में दिए गए गाइडलाइन का हवाला दिया। स्पेशल पीपी के अनुसार, इस केस में पीड़िता की मां, पिता और एक नर्स की BNSS की धारा-183 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करवाने के लिए आवेदन दिया गया है। इसे केस के IO ही करवाएंगे।

24 घंटे से युवक लापता, परिजन ने की आगजनी घर में कहा था- चाय पीकर आता हूं, लौटा नहीं

एजेंसी, पटना

पटना के मेहंदीगज इलाके के प्रतापपुर से कैटरिंग में काम करने वाला अमित कुमार (28) नाम का युवक लापता हो गया है। लापता युवक की मां रेखा देवी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रेखा देवी के आवेदन के मुताबिक उनका बड़ा बेटा अमित कुमार 10 मार्च की सुबह 4 बजे घर से चाय पीने के लिए बोलकर निकला है। जो अभी तक नहीं लौटा है। लड़के के पास मोबाइल भी है, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिल रहा है। अपने दूर दराज के रिश्तेदारों और जानने वालों के यहां भी पता लगाया है। लेकिन वहां भी नहीं है।

परिजन ने टायर जलाया, आगजनी की: घटना के एक दिन बाद आज दोपहर में परिजन ने लोहा पुल के पास सड़क जाम करके

माता-पिता ने जताई अनहोनी की आशंका

प्रदर्शन किया। परिजन को अनहोनी की आशंका है। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई तेज हो इसके लिए विरोध प्रदर्शन किया और गुमशुदा की तलाश के लिए वरीय अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है। तकरीबन आधे घंटे तक परिजन ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने समझा बुझा कर फिलहाल मामला शांत कर दिया है।

चाय पीने निकला था युवक: मेहंदीगंज थानेदार पूजा कुमारी ने बताया, अमित चाय पीने के लिए घर से निकला था। लेकिन लौटकर नहीं आया। युवक कैटरिंग में काम करता है। केस दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। सीडीआर रिपोर्ट, टेक्निकल इनपुट से पता लगाने की कोशिश जारी है।

बिहार के 8 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट, पटना में भी छाए रहेंगे हल्के बादल

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी बुधवार को प्रदेश के 8 जिलों में हल्की बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40KM/H की स्पीड से हवा चलने की संभावना है। गोपालगंज, बेगूसराय और नालंदा में बादल छाए हुए हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पटना में हल्के बादल छाए रहेंगे। हालांकि, धूप निकलेगी, जिससे उमस लोगों को महसूस होगी। 11 मार्च के बाद प्रदेश का मौसम सामान्य होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बेगूसराय और जहानाबाद में सुबह में हल्के बादल छाए रहे, जबकि नालंदा में धुंध दिखी।

30 जिलों में मौसम रहेगा सामान्य: प्रदेश के 30 जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। इसमें पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, भागलपुर, गया, भोजपुर, रोहतास, नालंदा और पूर्णिया समेत अधिकांश हिस्सों में चेतावनी जारी नहीं की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम सामान्य रहेगा और लोगों को गर्मी महसूस होगी।

राज्य में 19 डिग्री सेल्सियस है न्यूनतम

तापमान: पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान मधेपुरा में 19.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा मधुबनी में 19.9 डिग्री सेल्सियस, औरंगाबाद में 20.4 डिग्री सेल्सियस और वाल्मीकिनगर में 20.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पटना का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा।

लोगों के लिए सलाह: मौसम विभाग ने जिन जिलों में बारिश और वज्रपात की आशंका जताई है, वहां के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। खासकर खेतों में काम करने वाले किसान, खुले स्थानों पर रहने वाले लोग और बिजली के खंभों या पेड़ों के नीचे खड़े रहने से बचने की हिदायत दी गई है।

बिहार में पहली एआई बेस्ड रोबोटिक सर्जरी सफल

एजेंसी, पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) पटना ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। इसके साथ ही बिहार में आधुनिक रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत हो गई है। मंगलवार को IGIMS में डॉक्टरों ने AI रोबोट की मदद से दो जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की। इनमें शिवहर की रहने वाली 26 वर्षीय महिला की गॉल स्टोन (पित्त की पथरी) की सर्जरी की गई, वहीं 55 वर्षीय बुजुर्ग मरीज का हर्निया ऑपरेशन भी रोबोटिक तकनीक से किया गया।

एक ही दिन में दो रोबोटिक सर्जरी: इस उपलब्धि के साथ ही IGIMS ने चिकित्सा क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। अस्पताल में एक ही दिन में दो जटिल बीमारियों की रोबोटिक सर्जरी का रिकॉर्ड बना है, जिसे राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। ऑपरेशन को सफल बनाने में 6 सदस्यीय डॉक्टरों की टीम ने अहम भूमिका निभाई।

आईजीआईएमएस में दो क्रिटिकल ऑपरेशन

बिहार के लिए ऐतिहासिक क्षण- डॉ. मनीष मंडल: IGIMS के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि, 'यह संस्थान और पूरे बिहार के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। पहली बार यहां रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत हुई है, जिससे इलाज की एक नई और आधुनिक पद्धति का मार्ग प्रशस्त हुआ है।' डॉक्टरों ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक तकनीकें उपचार को अधिक सुरक्षित, सटीक और प्रभावी बनाती हैं, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिलते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से पेट, किडनी और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर और जटिल बीमारियों का अधिक सटीक इलाज संभव है। खासकर कैंसर के मरीजों के लिए यह तकनीक काफी लाभकारी साबित हो सकती है।

कम चीरा, कम खून और जल्दी रिकवरी: रोबोटिक सर्जरी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें मरीज के शरीर में बहुत छोटा चीरा लगाया जाता है। इससे खून कम निकलता है, दर्द कम होता है और मरीज तेजी से स्वस्थ हो सकता है। इसके साथ ही रोबोटिक तकनीक के कारण सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को अधिक स्पष्टता मिलती है, जिससे इलाज अधिक सटीक तरीके से किया जा सकता हैं।

सर्जरी के दौरान गलती की संभावना बेहद कम: मनीष मंडल ने बताया कि AI रोबोटिक सर्जरी के उपयोग से ऑपरेशन के दौरान मानवीय गलतियों की संभावना काफी कम हो जाती है। इस तकनीक से बिना रुकावट के अधिक एक्यूरेसी के साथ ऑपरेशन संभव होता है और मरीज जल्द ही सामान्य जीवन में लौट सकता है। IGIMS पटना में इस अत्याधुनिक तकनीक की शुरुआत को बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

विद्यालयों व आंगनवाड़ी केंद्रों में आपदा प्रबंधन पर इंटरफेस कार्यक्रम, बच्चों की सुरक्षा पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की सुरक्षा और आपदा से निपटने की तैयारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को शहर के मीना बाजार स्थित नवयुवक पुस्तकालय में इंटरफेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार और बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) द्वारा सेल्सफोर्स के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्र आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी) को प्रभावी बनाने को लेकर अधिकारियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी सेविकाओं और समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत संवाद हुआ। वक्ताओं ने कहा कि पूर्वी चंपारण जिला बाढ़, आंधी-तूफान, जलजमाव और आगजनी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। ऐसे में विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपदा प्रबंधन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत जरूरी है। प्रभारी आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने कहा कि विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण और उसका नियमित अभ्यास बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक है। यदि स्कूल स्तर पर पहले से तैयारी होगी तो आपदा की स्थिति में नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अग्निशमन विभाग के अमन कुमार ने कहा कि आगजनी जैसी घटनाओं से बचाव के लिए विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में जागरूकता, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल का आयोजन जरूरी है। इससे बच्चों और शिक्षकों को आपात स्थिति में सही कदम उठाने की जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में अजहर हुसैन अंसारी ने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। गांव स्तर पर जागरूकता और सहयोग से बच्चों की सुरक्षा बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सकती है। मोतिहारी पीएचसी की चिकित्सक डॉ. सरिता कुमारी और महिला पर्यवेक्षिका रंजना कुमारी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए सेविकाओं को आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण और जानकारी मिलना बेहद जरूरी है, ताकि आपात स्थिति में बच्चों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जा सके। साथ ही केंद्रों पर आवश्यक दवाओं का स्टॉक भी रखा जाना चाहिए। बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप के संयोजक अमर ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हामिद रजा ने कहा कि स्कूल डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान (एसडीएमपी) और आंगनवाड़ी केंद्र डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान (एडब्ल्यूसी-डीएमपी) के माध्यम से संस्थानों को आपदा के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन, शिक्षकों, आंगनवाड़ी सेविकाओं और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. सरिता कुमारी (एचएससी), सपना कुमारी (वरदाहा), मुखिया मोहन सहनी (वरदाहा), ब्रिजेश गिरी, शिक्षक उमेश ठाकुर, दीप नारायण ठाकुर, आंगनवाड़ी सेविका अनिता कुमारी,मैना देवी, मीना देवी सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में आपदा प्रबंधन योजना को प्रभावी रूप से लागू करने का सामूहिक संकल्प लिया। धन्यवाद ज्ञापन सत्य प्रकाश ने किया।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास व मद्य निषेध कांड के दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। नगर थाना कांड संख्या 223/26 (हत्या के प्रयास) के प्राथमिकी अभियुक्त सतीश कुमार वर्मा, पिता स्व. जनक प्रसाद वर्मा, निवासी चाँदमारी, थाना नगर, जिला पूर्वी चंपारण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं संग्रामपुर थाना कांड संख्या 430/25 (मद्य निषेध) के वांछित अभियुक्त गुड्डू ठाकुर, पिता मुन्ना ठाकुर, निवासी दरियापुर घरदान, थाना संग्रामपुर, जिला पूर्वी चंपारण को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में भी अग्रिम कार्रवाई जारी है।

रंगदारी कांड में दो अभियुक्तों के घर इश्तिहार तामिला

बीएनएम @ मोतिहारी। अरेराज थाना कांड संख्या 88/25 (रंगदारी) के वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इश्तिहार तामिला की कार्रवाई की है। पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त अभिषेक सिंह तथा छोटू सिंह उर्फ छोटू राणा, दोनों पिता अशोक सिंह, निवासी राजेपुर, थाना राजेपुर, जिला मुजफ्फरपुर के घर पर विधिवत इश्तिहार चस्पा किया। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्त मामले में फरार चल रहे हैं। न्यायालय के निर्देश पर उनके आवास पर इश्तिहार तामिला कर आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस ने बताया कि यदि निर्धारित समय में अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध आगे की कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाहन जांच में चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार, चार बाइक बरामद

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना पुलिस को चोरी की बाइक के मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर छापेमारी कर दो अन्य युवकों को भी पकड़ा गया तथा चार चोरी की बाइक बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के शंकरसरैया चौक पर पुलिस नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान मोतिहारी की ओर से एक युवक ग्लैमर बाइक से वहां पहुंचा। पुलिस ने उसे रोककर बाइक के कागजात और नंबर की जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि बाइक के मूल रजिस्ट्रेशन नंबर में बदलाव कर दूसरा नंबर अंकित कर चलाया जा रहा था। संदेह होने पर पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें मामला चोरी की बाइक का निकला। गिरफ्तार युवक की पहचान शंकरसरैया अहिरटोली निवासी अनिल कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस का मानना है कि चोरी की इस बाइक का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में करने की योजना थी। अनिल कुमार यादव से पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सेमरा समेत अन्य स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान दो अन्य युवकों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके पास से कुल चार चोरी की बाइक बरामद की गई। बरामद सभी बाइक विभिन्न स्थानों से चोरी की बताई जा रही हैं। इस संबंध में उमाशंकर मांझी ने बताया कि वाहन जांच के दौरान एक युवक को चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया था। उसकी निशानदेही पर छापेमारी कर दो अन्य युवकों को गिरफ्तार किया गया है और चार बाइक बरामद की गई हैं। मामले की गहन जांच की जा रही है तथा गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है।

गोलीबारी कांड का फरार आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ सिकरहना। पचपकड़ी थाना क्षेत्र में हुए चर्चित गोलीकांड मामले में छह माह से फरार चल रहे आरोपी सुजीत कुमार ने सोमवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। बताया जा रहा है कि पचपकड़ी थानाध्यक्ष पूजा कुमारी की लगातार दबिश और कार्रवाई के कारण आरोपी पर दबाव बढ़ता जा रहा था, जिसके बाद उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। ज्ञात हो कि खारिहानियाँ में आयोजित जन्माष्टमी मेले के दौरान आपसी विवाद में आरोपी सुजीत कुमार ने एक युवक को गोली मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। पुलिस की सख्ती और लगातार दबिश के चलते आखिरकार आरोपी ने सोमवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

राम मंदिर के बाद अब जनसंख्या नियंत्रण कानून की जरूरतः प्रवीण तोगड़िया

बीएनएम @ रामगढ़वा। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर हुआ जहां हिंदू समाज चाहता था और अब देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की आवश्यकता है। बुधवार को जैतापुर पंचायत की समिति सदस्य राजकुमारी देवी के आवास पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती के लिए हिंदू समाज को संगठित और जागरूक होना होगा। उन्होंने लोगों से एकता बनाए रखने और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। सभा के दौरान उन्होंने कहा कि यदि समाज संगठित होकर काम करेगा तो कई महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान संभव है। उन्होंने सामाजिक जागरूकता और संगठन को समय की जरूरत बताया। इधर कार्यक्रम को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। सुबह से ही अनुमंडल पदाधिकारी और रक्सौल डीएसपी कार्यक्रम स्थल का मुआयना करते रहे तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इस मौके पर मुखिया राजू सिंह, मुन्नू सिंह, बीडीओ राकेश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, भीम सिंह, अजीत कुमार सिंह, सुमित कुमार, प्रहस्त कुमार, बबलू सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वी.पी ट्रामा सेंटर एंड चाइल्ड केयर का हुआ शुभारंभ, आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर के सदर अस्पताल चौक स्थित राजीव प्रकाश के भवन में बुधवार को V P ट्रामा सेंटर एंड चाइल्ड केयर का विधिवत उद्घाटन पूर्वी चम्पारण के सहायक पुलिस अधीक्षक हेमन्त कुमार, मधुबनी घाट पंचायत के सरपंच रामबाबू सिंह तथा विजय सिंह के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस ट्रामा सेंटर में आकस्मिक चिकित्सा, लकवा (पक्षाघात) से संबंधित उपचार, हड्डी रोग, विभिन्न प्रकार की शल्य चिकित्सा, बाल्य रोग, फिजियोथेरेपी, जनरल फिजिशियन, न्यूरो फिजिशियन, नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग, चक्कर आना, ब्रेन हेमरेज, हाथ में सुन्नपन, झनझनाहट तथा नसों से संबंधित रोगों का इलाज अनुभवी एवं दक्ष चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के अवसर पर डॉ. अनूप कुमार गौतम, डॉ. अमित कुमार, डॉ. इमरान आलम, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. दिनेश कुमार निषाद, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. एम. अंसारी, डॉ. शोनी सिंह, डॉ. खुशबू कुमारी, डॉ. अनुषा आर्या, उपमेयर लालाबाबू गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक मुमताज आलम, विशाल सिंह, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. बी.के. सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस सेंटर के खुलने से मोतिहारी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

यात्रियों के लिए बना शेड बना पशु बांधने का ठिकाना, जिम्मेवार बेखबर

बीएनएम @ पताही @ श्रीनिवास कुमार

पताही प्रखंड के नोनफारवा पंचायत अंतर्गत रतनशायर स्थित यात्री शेड इन दिनों अपनी बदहाल स्थिति को लेकर चर्चा में है। यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए इस शेड का उपयोग अब लोगों के बैठने के बजाय पशु बांधने के स्थान के रूप में किया जा रहा है। बताया जाता है कि पताही–भंडार मुख्य पथ पर बने इस यात्री शेड का निर्माण राहगीरों और यात्रियों को धूप, बारिश व अन्य मौसम की परेशानियों से राहत देने के उद्देश्य से किया गया था। इस सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, लेकिन शेड की मौजूदा स्थिति के कारण यात्रियों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शेड में अक्सर पशु बांध दिए जाते हैं और चारों ओर गंदगी फैली रहती है। इसके कारण यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिलती और उन्हें मजबूरन सड़क किनारे खड़े होकर वाहन का इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से यात्री शेड का इसी तरह दुरुपयोग हो रहा है। इसके बावजूद इस ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। इस संबंध में नोनफारवा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर बैठा से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार जनता की सुविधा के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर ऐसे यात्री शेड बनवाती है, लेकिन देखरेख के अभाव में वे बेकार हो जाते हैं या उनका दुरुपयोग शुरू हो जाता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि रतनशायर स्थित यात्री शेड को अतिक्रमण और पशुओं से मुक्त कराया जाए तथा इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रियों को इसका लाभ मिल सके और योजना का उद्देश्य भी पूरा हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों तक उठाने को मजबूर होंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर प्रचार रथ रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी की ओर से जन-जागरूकता अभियान के तहत प्रचार रथ को रवाना किया गया। इस अवसर पर अभिषेक कुमार दास (प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार) तथा नितिन त्रिपाठी (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार) ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। यह प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, न्यायालय परिसरों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व, इसके लाभ तथा निःशुल्क और त्वरित न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करेगा। इसके माध्यम से लोगों को बताया जाएगा कि लोक अदालत में आपसी सहमति से विवादों का निपटारा कर समय, धन और श्रम की बचत की जा सकती है। इस अवसर पर परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश इसरार अहमद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रसाद, अरुण कुमार सिन्हा, कमलेश मिश्रा, ब्रजेश कुमार, मुकुंद कुमार, रेशमा वर्मा और ऋचा भार्गव, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रसेनजीत सिंह, राहुल रंजन, श्वेता सिंह, गरिमा रानी और अविनाश कुमार सहित कई न्यायिक पदाधिकारी मौजूद रहे। साथ ही अग्रणी बैंक के प्रबंधक राजेंद्र पांडे भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय प्राप्ति का एक सशक्त और प्रभावी माध्यम है, जिसमें लंबित तथा प्री-लिटिगेशन मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में अपने मामलों का निपटारा कर इस व्यवस्था का लाभ उठाएं। वहीं सचिव नितिन त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, बीमा दावा, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, विद्युत एवं दूरसंचार बिल, चेक बाउंस, राजस्व और अन्य सुलह योग्य मामलों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने वादकारियों से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का आपसी सहमति से समाधान कराएं। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों और अन्य संबंधित लोगों की उपस्थिति रही। सभी ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बनकटवा प्रखंड कार्यालय में औचक निरीक्षण, पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए

बीएनएम @ सिकरहना

अनुमंडल पदाधिकारी विजय कुमार ने क्षेत्र भ्रमण के क्रम में प्रखंड कार्यालय बनकटवा, अंचल कार्यालय बनकटवा तथा बाल विकास परियोजना कार्यालय बनकटवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड कार्यालय बनकटवा के लिपिक अभिषेक कुमार, बाल विकास परियोजना कार्यालय बनकटवा के लिपिक जगत सिंह, अंचल कार्यालय बनकटवा के नाजिर विजय कुमार, आरपीएस बनकटवा के कार्यपालक सहायक धर्मेंद्र कुमार राम और डाटा एंट्री ऑपरेटर सत्येंद्र कुमार अनुपस्थित पाए गए, जबकि अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में मौजूद नागरिकों से भी कार्यालय के कार्यकलापों के संबंध में फीडबैक लिया गया। इस दौरान पदाधिकारियों और कर्मियों को कार्यप्रणाली में सुधार तथा समय पर उपस्थित रहने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

दुष्कर्म मामले में अभियुक्त को 10 वर्ष की कठोर कारावास की सजा

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिला के मोतिहारी स्थित विशेष न्यायालय ने दुष्कर्म के एक मामले में अभियुक्त को दोषी पाते हुए 10 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। बुधवार को मिथलेश कुमार (विशेष न्यायाधीश, बलात्कार एवं पॉक्सो) की अदालत ने महिला थाना कांड संख्या 11/23, दिनांक 5 मार्च 2023, टीआर संख्या 44/23 में सुनवाई करते हुए नामजद अभियुक्त बुलेट आलम, पिता नूर आलम मियां, निवासी मिश्रा टोला तेजपुरवा, थाना मलाही, जिला पूर्वी चंपारण को दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियुक्त को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(1) के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 341 के तहत एक माह का कारावास, धारा 323 के तहत एक वर्ष का कारावास और धारा 506 के तहत एक वर्ष का कारावास की सजा दी गई। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर 15 दिन के अतिरिक्त कारावास का प्रावधान किया गया है। न्यायालय ने सभी सजाएं एक साथ चलने का आदेश दिया है। यह मामला महिला थाना मोतिहारी में दर्ज कांड संख्या 11/23 से संबंधित है, जिसमें पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले का अनुसंधान तत्कालीन महिला थानाध्यक्ष एवं महिला पुलिस अवर निरीक्षक सुषमा कुमारी ने किया था। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक पुष्पा दुबे ने बहस की। न्यायालय ने पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और चार्जशीट के आधार पर अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

ऑल बिहार उर्दू टीचर्स एसोसिएशन की ओर से दावत-ए-इफ्तार का आयोजन

» सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का दिया संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी

ऑल बिहार उर्दू टीचर्स एसोसिएशन की ओर से मदरसा अंजुमन इस्लामिया, मोतिहारी के प्रांगण में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को समर्पित इस कार्यक्रम में दोनों समुदायों के शिक्षक, चिकित्सक, व्याख्याता और बुद्धिजीवियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मौके पर संगठन के राज्य संयोजक डा. अकील अहमद ने कहा कि आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने, सामाजिक भेदभाव को खत्म करने तथा एक-दूसरे के बीच प्यार और स्नेह का माहौल बनाने के उद्देश्य से दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारे और गंगा-जमनी तहज़ीब को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर देश में अमन-चैन, हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी सद्भाव की कामना करते हुए दुआ भी की गई। कार्यक्रम में अफाक अहमद (सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी), प्रीति गुप्ता (मोतिहारी नगर निगम की मेयर), डा. लाल बाबू गुप्ता (डिप्टी मेयर), राजेंद्र राम (पूर्व विधायक) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा एसएनएस विद्यापीठ समेत कई शिक्षण संस्थानों के संस्थापक आलोक शर्मा, पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फजल सरवर, कांग्रेस नेता तनवीर खान, डॉ. मुबीन हाशमी, डॉ. उमेश अख्तर, डॉ. फैसल परवाज, डॉ. समीर अहमद, डॉ. मुज्तबा नवाज, डॉ. अखलाक अहमद, डॉ. वसीम अहमद, डॉ. अनीस अंजुम, मदरसा इस्लामिया के सचिव इरफान आलम, डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. नूर आलम, प्रो. मशहूर आलम, जन सुराज के राष्ट्रीय प्रवक्ता तारिक अनवर चंपारणी, शिक्षक नेता प्रमोद कुमार यादव, केशव कुमार, सुनील कुमार, सतीश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी और सदस्य भी शामिल हुए, जिनमें सचिव मुहम्मद अमानुल्लाह, जिला अध्यक्ष नईमुद्दीन सलाफी, कोषाध्यक्ष फिरोज आलम, संयुक्त सचिव मेहर आलम चंपारणी, संगठन सचिव ओजैर सलीम, अहमद तबरेज मुबीन, कलीमुल्लाह कलीम, आतिर अनवर, डॉ. ताहिरुद्दीन ताहिर, शकील शगिल, रजी हैदर, असदुर रहमान तैमी, डॉ. जौवाद आलम तैमी, एमएन अख्तर, कैसर आलम खान और अनीसुल हक शम्सी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। इफ्तार के दौरान सभी ने मिलकर आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

गांजा तस्कर को 4 साल की जेल

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस की प्रभावी पैरवी और ठोस साक्ष्यों के आधार पर बेतिया स्थित विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी सुरेश यादव को दोषी करार देते हुए 4 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने अभियुक्त पर 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है; जुर्माना न भरने की स्थिति में उसे 4 माह की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।यह मामला भितहा थाना कांड संख्या-63/2019 से संबंधित है, जिसमें अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(B)(ii)(b) के तहत केस दर्ज था। बगहा पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल ने बताया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए इस मामले को 'स्पीडी ट्रायल' (त्वरित विचारण) के अंतर्गत रखा गया था, जिसका वे स्वयं अनुश्रवण कर रहे थे। पुलिस द्वारा समय पर समर्पित चार्जशीट और विशेष लोक अभियोजक संतोष कुमार शर्मा की सशक्त दलीलों के चलते अभियुक्त को सजा दिलाने में सफलता मिली। एसपी ने इसे पुलिस की एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

गंडक पार के पिपरासी को मिला बड़ा दमकल वाहन

विधायक ने जताया गृहमंत्री का आभार

बीएनएम @ बगहा : वाल्मीकि नगर विधानसभा के अंतर्गत गंडक पार के चार प्रखंड अपनी भौगोलिक और आर्थिक चुनौतियों के लिए जाने जाते हैं। यह क्षेत्र मुख्य रूप से बाढ़ प्रभावित है और यहाँ की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है। निर्धनता के कारण आज भी बहुत से परिवारों के पास पक्के मकान नहीं हैं और वे फूस के घरों में रहने को मजबूर हैं। विशेषकर अप्रैल और मई के महीनों में चलने वाली तेज पछुआ हवाओं के कारण यहाँ आगजनी की घटनाएं एक बड़ी त्रासदी बनकर उभरती हैं।विधायक की पहल और गृहमंत्री का सहयोग इस गंभीर समस्या को देखते हुए वाल्मीकि नगर के विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने प्रभावी कदम उठाया। अब तक अग्निशमन विभाग का मुख्यालय बगहा में होने के कारण बड़े दमकल वाहनों को गंडक पार पहुँचने में काफी समय लगता था, जिससे भारी जान-माल का नुकसान होता था। विधायक कुशवाहा ने 23 फरवरी 2026 को बिहार के गृहमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर गंडक पार के लिए बड़े अग्निशमन वाहनों की विशेष मांग की थी।पिपरासी को मिला बड़ा दमकल वाहन विधायक की मांग पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा पिपरासी प्रखंड को दमकल की बड़ी गाड़ी उपलब्ध करा दी गई है। इससे न केवल पिपरासी बल्कि आस-पास के क्षेत्रों में आग पर तुरंत काबू पाना संभव होगा। साथ ही, बगहा-1 और बगहा-2 के वाहनों पर भी दबाव कम होगा।विधायक सुरेंद्र प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि जब तक क्षेत्र के हर परिवार को आवास योजना का लाभ नहीं मिल जाता और सबके पक्के मकान नहीं बन जाते, तब तक उनके जान-माल की सुरक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही अन्य प्रखंडों को भी बड़े वाहन मिलेंगे और उनका लक्ष्य अपने कार्यकाल में ही सभी के लिए पक्के मकान सुनिश्चित करना है।

वाल्मीकि नगर एयरपोर्ट के अपग्रेडेशन के लिए एएआई ने जारी किया टेंडर

» 11 महीने में चमकेगा वाल्मीकि नगर एयरपोर्ट
» 38.64 करोड़ का ई-टेंडर जारी

बीएनएम @ बगहा : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने वाल्मीकि नगर एयरपोर्ट के विकास और उन्नयन (अपग्रेडेशन) के लिए EPC मोड पर ई-टेंडर जारी कर दिया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य वर्तमान हवाई अड्डे को कोड-2 बी श्रेणी के विमानों के सुरक्षित और सुचारू संचालन के अनुरूप विकसित करना है। इस महत्वपूर्ण प्रगति पर केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार सरकार का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है।
परियोजना की मुख्य विशेषताएं - इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 38.64 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसे पूरा करने के लिए 11 महीने की समय-सीमा तय की गई है। टेंडर के अनुसार, यहाँ आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा, जिसमें प्री-फैब्रिकेटेड स्टील स्ट्रक्चर वाला टर्मिनल भवन, प्री-इंजीनियर्ड एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) टावर, और एक अत्याधुनिक फायर स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट की अन्य सहायक सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जाएगा। इस उन्नयन से न केवल वाल्मीकि नगर एयरपोर्ट आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, बल्कि इससे क्षेत्रीय हवाई संपर्क (रीजनल कनेक्टिविटी) को भी मजबूती मिलेगी। बिहार में हवाई यातायात और आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार का यह कदम पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

मदनपुर रेंज में रोहुआ नाला पर निर्माण कार्य तेज, मार्च तक होगा पूरा

» बिहार-यूपी का सफर होगा आसान
» गंडक पार के दर्जनों गांवों को मिलेगी राहत

बीएनएम @ बगहा: वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर रेंज में बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमाओं को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण ढांचागत परियोजना पर काम तेजी से चल रहा है। बगहा के नौरंगिया से यूपी के सोहगीबरवा जाने वाले मार्ग पर स्थित रोहुआ नाला पर वन विभाग द्वारा 'छलका' (पुलिया) का निर्माण कराया जा रहा है। यह पहल उन हजारों लोगों के लिए जीवनरेखा साबित होगी जो वर्षों से इस दुर्गम रास्ते पर आवाजाही के लिए संघर्ष कर रहे थे।वर्तमान में मदनपुर रेंज द्वारा रोहुआ नाला पर लगभग 180 फीट लंबा और 25 फीट चौड़ा छलका बनाया जा रहा है। अब तक यहाँ कोई स्थायी ढांचा नहीं होने के कारण ग्रामीण पाइप डालकर अस्थायी रास्ता बनाते थे, जो मानसून की पहली बारिश या गंडक के बढ़ते जलस्तर में बह जाता था। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नाव का सहारा लेना पड़ता था। चूँकि यह क्षेत्र सघन वन विभाग के अंतर्गत आता है, इसलिए यहाँ पक्की सड़कों का निर्माण पर्यावरणीय नियमों के कारण जटिल था, जिसे देखते हुए विभाग ने 'छलका' निर्माण का निर्णय लिया।इस परियोजना की निगरानी मदनपुर रेंजर नसीम अहमद अंसारी कर रहे हैं। निर्माण कार्य को इसी मार्च माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बन जाने से उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के सोहगीबरवा, मरिचहवा और भोथहा जैसे सुदूरवर्ती गांवों का बिहार से सीधा और सुरक्षित संपर्क स्थापित हो जाएगा। लाखों रुपये की लागत से बन रही यह पुलिया न केवल आम जनता की राह आसान करेगी, बल्कि वन विभाग को भी गश्ती और वन्यजीवों की सुरक्षा की निगरानी करने में मदद देगी।

एआई तकनीक से बढ़ेगी प्रशासनिक गति और गुणवत्ताः उपमुख्यमंत्री

1 अप्रैल 2026 से 'एआई' के हवाले होगा राजस्व विभाग

बीएनएम @ पटना: बिहार सरकार राज्य के राजस्व प्रशासन को अत्याधुनिक, पारदर्शी और अधिक कुशल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को अपनाने जा रही है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा के अनुसार, प्रशासन को जनोन्मुख बनाने और 'ईज ऑफ लिविंग' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी जिलों में एआई सेल का गठन किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य तकनीक के माध्यम से लोक सेवाओं का स्वचालन (ऑटोमेशन) करना, निर्णय प्रक्रिया को बेहतर बनाना और धोखाधड़ी जैसी समस्याओं की पहचान करना है।विभाग के अपर सचिव आजीव वत्सराज द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक जिले में अपर समाहर्ता (राजस्व) की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एआई सेल बनाया जाएगा। इस टीम में जिला सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक, भूमि सुधार उप समाहर्ता, अंचल अधिकारी और राजस्व अधिकारी शामिल होंगे। यह सेल हर शनिवार दोपहर 3 से 6 बजे तक बैठक कर एआई आधारित योजनाओं की समीक्षा करेगा। अधिकारियों और कर्मचारियों को इस नई तकनीक के लिए चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा और मानक स्तर प्राप्त करने वालों को प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से राजस्व प्रशासन में एआई आधारित कार्यप्रणाली को पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा है।

क्रिएशन गुरुकुल के नन्हे वैज्ञानिकों ने बिखेरी चमक

» चंद्रयान और डिजास्टर मैनेजमेंट मॉडल्स ने जीता सबका दिल

बीएनएम @ रामगढ़वा @ विजय कुमार

क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्यालय क्रिएशन गुरुकुल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी (साइंस एग्जीबिशन) में छात्र-छात्राओं ने अपनी मेधा और नवाचार का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि चंद्रेश्वर नारायण दुबे ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक परिमल कुमार श्रीवास्तव और प्रिंसिपल सोनी कुमारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में अपार प्रतिभा छिपी होती है, जिन्हें सही मंच और मार्गदर्शन मिलने पर वे बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्रिएशन गुरुकुल बच्चों को बेहतर शिक्षा और अवसर प्रदान कर उन्हें भविष्य का वैज्ञानिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर आकर्ष आर्यन और उप मैनेजिंग डायरेक्टर उत्कर्ष आर्यन ने संयुक्त रूप से कहा कि संस्थान का उद्देश्य बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को सामने लाना है, ताकि यहां के विद्यार्थी देश ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में कक्षा 7 'बी' के छात्र शिवम शर्मा और उनकी टीम द्वारा बनाए गए 'चंद्रयान' मॉडल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। वहीं दिव्यांशु पांडे, अबुसाद और उनकी टीम के 'डिजास्टर मैनेजमेंट' प्रोजेक्ट को द्वितीय स्थान मिला। तृतीय स्थान पर मोहित, आयुष और उनकी टीम रही, जिन्होंने 'वाटर फिल्टरेशन यूनिट' का प्रदर्शन किया। इसके अलावा छात्रों ने लेजर सिक्योरिटी अलार्म, फुट स्टेप इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर, कार्बन प्यूरीफायर और ऑटोमैटिक फायर एक्सटिंग्विशर जैसे आधुनिक प्रोजेक्ट भी प्रस्तुत किए, जिसने उपस्थित लोगों को काफी प्रभावित किया। इस आयोजन में विज्ञान शिक्षक मनीष रौनियर, नदीम अहमद, अमित पांडे, सलोनी कुमारी, अफसाना खातून और संजना सिंह का विशेष मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम में अभिभावक राहुल पांडे, छात्र-छात्राएं सुहाना, आसिफ, सक्षम, साहिल तथा शिक्षक अभिमन्यु यादव, सत्यम कुमार, नसीम अख्तर, रौशन रॉय और भीम रॉय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि यदि बच्चों को इसी प्रकार का मार्गदर्शन मिलता रहा तो वे भविष्य में निश्चित रूप से देश के उत्कृष्ट वैज्ञानिक बनकर उभरेंगे।

गंगा स्नान के दौरान तीन युवकों की डूबने से मौत,गांव में पसरा सन्नाटा

बीएनएम @ भागलपुर

भागलपुर जिले के घोघा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोल सड़क गंगा घाट पर बुधवार को एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसमें अपनी फुआ को डूबने से बचाने के प्रयास में तीन सगे और चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नया टोला ओलपुरा निवासी नंदलाल साह के 26 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार, शालिग्राम साह के 24 वर्षीय पुत्र सनी कुमार और 26 वर्षीय बॉबी कुमार के रूप में हुई है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना का विवरण- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गंगा स्नान के दौरान इन युवकों की फुआ, रुक्मणी देवी, अचानक गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। उन्हें संकट में देख तीनों युवक अपनी जान की परवाह किए बिना उन्हें बचाने के लिए गंगा की तेज धारा में कूद पड़े। स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से रुक्मणी देवी को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिनका वर्तमान में एक निजी क्लीनिक में उपचार चल रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश तीनों युवक खुद को नहीं बचा सके। गंगा की गहराई और तेज बहाव के कारण तीनों युवक पानी में समा गए।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों व ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद तीनों युवकों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक ही परिवार के तीन होनहार युवकों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस बलिदान और दुखद घटना ने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं।

एम.जे.के. कॉलेज में आयोजित हुई 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट'

बीएनएम @ बेतिया

पश्चिम चंपारण के एम.जे.के. कॉलेज, बेतिया में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत 'मेरा युवा भारत' द्वारा "विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026" का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम बेतिया की महापौर गरिमा देवी सिकारिया रहीं, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर सत्र का शुभारंभ किया। महापौर ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि युवा ही विकसित भारत के असली निर्माता हैं और उनकी सकारात्मक सोच ही समाज को नई दिशा देगी।कार्यक्रम के दौरान 'यूथ कनेक्ट' सत्र में मंत्रालय के यूथ आइकॉन आदित्य मधुकर ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात आयोजित यूथ पार्लियामेंट का विषय "आपातकाल के 50 वर्षः भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख" रखा गया, जिसमें प्रतिभागियों ने संसदीय शैली में अपनी प्रखर वक्तृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर प्रिंस कुमार (प्रथम), मोहम्मद जकारिया (द्वितीय), अभिषेक कुमार (तृतीय), रोहित राज (चतुर्थ) और प्रकाश कुमार (पंचम) का चयन किया गया। ये पांचों विजेता अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, गणमान्य अतिथि और निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

दरभंगा में 16 मार्च से शुरू होगा 'गंगा स्वच्छता पखवाड़ा'

बीएनएम @ दरभंगा

युवाओं के कंधे पर नदियों की सफाई का जिम्मा

दरभंगा जिले में गंगा और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 16 से 31 मार्च 2026 तक "गंगा स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन किया जाएगा। जिला गंगा समिति के मार्गदर्शन में होने वाले इस पखवाड़े में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।इस महत्वपूर्ण अभियान की रूपरेखा तैयार करने हेतु एनएसएस समन्वयक डॉ. आर.एन. चौरसिया की अध्यक्षता में एक ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला गंगा समिति के परियोजना पदाधिकारी फारूक इमाम ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के नमामि गंगे मिशन का एक अभिन्न हिस्सा है, जो दरभंगा में वर्ष 2022 से सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।अभियान के दौरान निर्धारित 15 दिनों में नदी घाटों और तालाबों की विशेष साफ-सफाई, वृक्षारोपण और जागरूकता रैलियां निकाली जाएंगी। युवाओं को इस मुहिम से जोड़ने के लिए कॉलेजों में पेंटिंग, रंगोली और भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा। डॉ. चौरसिया ने प्रत्येक कॉलेज को पर्यावरण के प्रति समर्पित 10-10 छात्रों की टीम बनाने का निर्देश दिया है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को वार्षिक प्रमाणपत्र और पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। बैठक का समापन डॉ. सुनीता कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें जल संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताया गया।

बिहार-यूपी बॉर्डर से दबोचा गया दुष्कर्म का आरोपी

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के धनहा थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना के आरोपी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। 7 वर्षीय मासूम के साथ दरिंदगी करने वाले इस आरोपी को पुलिस टीम ने मंगलवार की देर रात बिहार-यूपी सीमा पर स्थित बरवा घाट शिव मंदिर के पास से दबोचा।जानकारी के अनुसार, 8 मार्च की रात आरोपी ने मासूम बच्ची को बारात दिखाने के बहाने बहला-फुसलाकर गांव के बाहर सरेह में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म कर फरार हो गया। सुबह होने पर जब बच्ची को होश आया, तो उसने ग्रामीणों को अपनी आपबीती सुनाई। धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। बुधवार को FSL की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर महत्वपूर्ण साक्ष्य और सैंपल इकट्ठा किए हैं। पुलिस ने पीड़िता की मां के आवेदन पर कांड संख्या 80/26 दर्ज करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया है।

विधायक ने नागालैंड के राज्यपाल से की मुलाकात

बीएनएम @ भागलपुर

पटना में बिहपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक ई. शैलेंद्र ने बुधवार को नागालैंड के नवनियुक्त राज्यपाल नंदकिशोर यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विधायक ने उन्हें राज्यपाल के रूप में नई जिम्मेदारी संभालने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।विधायक ई. शैलेंद्र ने भेंट के उपरांत कहा कि नंदकिशोर यादव का लंबा राजनीतिक अनुभव, सरल व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से पूर्वोत्तर राज्यों में विकास और सांस्कृतिक समन्वय को नई गति मिली है। ऐसे महत्वपूर्ण समय में नंदकिशोर यादव का नागालैंड का दायित्व संभालना निश्चित रूप से प्रदेश और राष्ट्र के विकास में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

बेतिया एसपी ने बदले कई थानों के प्रभारी

धीरज को मिली नगर थाने की कमान

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चम्पारण, बेतिया में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने बड़े पैमाने पर पुलिस पदाधिकारियों का नया पदस्थापन किया है। पुलिस उप-महानिरीक्षक, चंपारण क्षेत्र के अनुमोदन के बाद जारी इस फेरबदल में वर्ष 2024 बैच के IPS अधिकारी कार्तिकेयन ए.के. को योगापट्टी थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, 65वीं बैच के प्रशिक्षु डीएसपी सन्नी दयाल को मैनाटांड़ थाना की कमान सौंपी गई है। प्रशासनिक कार्यकुशलता को देखते हुए नगर थाना की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक धीरज कुमार को दी गई है, जबकि निवर्तमान थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को तकनीकी शाखा के प्रभारी के साथ-साथ योगापट्टी अंचल के पर्यवेक्षी पदाधिकारी का अतिरिक्त दायित्व मिला है।इस पुनर्गठन के तहत महिला थाने में तैनात निशी कुमारी को अब जगदीशपुर थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, पूर्व के थानाध्यक्षों अभिराम सिंह (योगापट्टी), सौरभ कुमार (जगदीशपुर) और शंभु शरण गुप्ता (मैनाटांड़) को पुलिस केंद्र बेतिया स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, ध्रुव नारायण को योगापट्टी थाना में अपर थानाध्यक्ष के पद पर पदस्थापित किया गया है। अधिकारियों के इस नए फेरबदल से जिले की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

श्रीनगर में प्रेम विवाह का वीडियो वायरल

पुलिस कर रही मामले की जांच

बीएनएम @ बेतिया : श्रीनगर थाना क्षेत्र के उत्तरी पटजिरवा पंचायत की एक युवती द्वारा अपनी पसंद के युवक से विवाह करने का मामला चर्चा में है। मंगलवार शाम से सोशल मीडिया पर युवती का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी मर्जी से शादी करने की बात स्वीकार कर रही है। वीडियो में युवती ने स्पष्ट किया है कि वह पूरी तरह सुरक्षित है, उस पर कोई दबाव नहीं था और वह अपने इस फैसले से बेहद खुश है। साथ ही उसने अपने परिजनों से पुलिस केस न करने की मार्मिक अपील भी की है।दूसरी ओर, इस मामले ने कानूनी मोड़ ले लिया है। युवती की माँ के आवेदन पर श्रीनगर थाना में आधा दर्जन से अधिक लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष अमित कुमार पाल ने बताया कि पुलिस वायरल वीडियो और परिजनों के आरोपों को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

आज बगहा-1 प्रखंड में जुटेंगे सभी विभागों के अधिकारी

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा-1 प्रखंड में 12 मार्च को आयोजित होने वाला "प्रशासन आपके द्वार" कार्यक्रम आम जनता के लिए राहत की बड़ी खबर है। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह द्वारा शुरू किए जाने वाले इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य सरकारी सेवाओं को सीधे लोगों के घर तक पहुँचाना और उनकी शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान करना है।इस विशेष शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा और विद्युत जैसे लगभग सभी प्रमुख विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। यहाँ ग्रामीण न केवल योजनाओं की जानकारी ले सकेंगे, बल्कि आरटीपीएस जीविका और समाज कल्याण से जुड़ी अपनी समस्याओं के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। प्रशासन की कोशिश रहेगी कि अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया जाए।इस पहल से दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को बार-बार प्रखंड या जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। यह कार्यक्रम सरकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन और प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

निर्मल मन में ही होता है प्रभु श्रीराम का वासः राजन जी महराज

बीएनएम @ सीवान

सीवान के वी.एम.एच.ई. इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित भव्य श्रीराम कथा के तीसरे दिन पूरा वातावरण 'राममय' हो गया। सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज ने जब प्रभु श्रीराम के जन्म प्रसंग का वर्णन शुरू किया, तो पांडाल श्रद्धा और उल्लास के सागर में डूब गया। जैसे ही उन्होंने "भय प्रगट कृपाला, दीन दयाला" भजन गाया, श्रद्धालु अपनी सुध-बुध खोकर झूमने लगे।भगवान के प्राकट्य उत्सव पर पांडाल में खिलौनों, चॉकलेट और मिठाइयों की वर्षा की गई। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सभी जय श्रीराम के उद्घोष के साथ भक्तिरस में डूबे नजर आए। कथा की शुरुआत मुख्य यजमानों द्वारा श्रीरामचरितमानस की आरती से हुई। राजन जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान हमारे भीतर और आसपास ही हैं, किंतु मन के विकारों के कारण हम उन्हें पहचान नहीं पाते। उन्होंने मन की निर्मलता के लिए राम नाम के स्मरण को सबसे सरल मार्ग बताया।महाराज जी ने अंश, आवेश, विशिष्ट, पूर्ण और महापुरुष जैसे पांच प्रकार के अवतारों की विस्तार से व्याख्या की। उन्होंने बताया कि जब-जब अधर्म बढ़ता है, तब प्रभु भक्तों की रक्षा हेतु प्रकट होते हैं। इस अवसर पर सदर एसडीएम आशुतोष गुप्ता, जिला बंदोबस्त अधिकारी सुजीत कुमार सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजन कल्याण सिंह, संयोजक डॉ. रूपेश कुमार और कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कथा से पूर्व राजन जी महाराज ने 'प्रज्ञा प्रवाह' के संपर्क पत्रक का विमोचन भी किया।

मुकदमे की कार्यवाही

हालिया न्यायिक निर्णयों ने इस धारणा की पुष्टि की है कि सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल हुआ। जिन साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज हुए, उनका सख्त न्यायिक परीक्षण हुआ, तो अधिकांश मामलों में वे टिक नहीं पाए। कथित शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 23 अन्य अभियुक्तों के खिलाफ मामला खारिज करते हुए जज ने जो टिप्पणियां कीं, उन पर गौर करने के बाद शायद ही किसी के मन शक बचे कि ये पूरा मामला बदनीयती से गढ़ा गया था। उसके एक दिन पहले पंचकूला से जुड़े नेशनल हेराल्ड मामले में भी ऐसा ही बड़ा फैसला आया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा को क्लीन चिट दे दी। मामला पंचकूला में संस्थागत प्लॉट के दोबारा आवंटन से जुड़ा था। कोर्ट ने कहा कि हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 2006 में इस निर्णय को विधिवत मंजूरी दी थी, इसलिए मामले में अनियमितता के सारे इल्जाम बेबुनियाद हैं। उसके पहले बीते दिसंबर में नेशनल हेराल्ड मामले में ही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की मनी लॉन्ड्रिंग चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। इन घटनाओं ने इस आम धारणा की पुष्टि की है कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में सरकारी एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल हुआ है। एजेंसियों ने जिन कथित साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज किए, उनका जब सख्त न्यायिक परीक्षण हुआ, तो अधिकांश मामलों में वे टिक नहीं पाए। इसलिए यह अनिवार्य हो गया है कि ऐसे सारे मामलों में मुकदमे की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर चलाई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। किसी भी व्यक्ति पर सालों साल मुकदमों का साया डाले रखना या अभियुक्तों को जेल में रखना (जैसाकि दिल्ली दंगों और भीमा कोरेगांव जैसे मामलों हुआ है) किसी रूप में उचित नहीं है। इससे भारत में प्रक्रिया ही दंड है- जैसी दुर्भाग्यपूर्ण धारणा लोगों के मन में गहराती चली गई है। सर्वोच्च न्यायपालिका ने जमानत जैसे बुनियादी तकाजे के बारे में भी तत्परता ना दिखाकर ऐसी धारणा को मजबूत किया है। नतीजतन, आपराधिक न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। अतः सुप्रीम कोर्ट के लिए उचित होगा कि वह राजनीतिक प्रकृति के तमाम संदिग्ध मामलों में जल्द सुनवाई सुनिश्चित कराए।

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

ललित गर्ग

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया 'मत्स्य-न्याय' यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है। विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निर्माता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंट्स, इरान न्यूक्लियर डील्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है। आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है,

रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां "जिसकी लाठी उसकी भैंस" ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा। भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की होड़ पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट्र की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है। यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से "वसुधैव कुटुम्बकम् का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वहित की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

दिल्ली की राजनीति में आए तूफान का मतलब

मनोज कुमार मिश्र

शराब घोटाले की आंच से झुलसी आम आदमी पार्टी (आआपा) को निचली अदालत से मिली राहत स्थाई नहीं दिख रही है। सीबीआई की याचिका पर हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी लोगों को जवाब देने के लिए नोटिस दिया है। दस साल से ज्यादा दिल्ली की सत्ता में रही आआपा पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा से पराजित होकर सत्ता से बाहर हो गई। एक तो चुनाव में आआपा पराजित हुई, दूसरा चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बना-शराब घोटाला। अपने को कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाली आआपा और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में पराजित हुए। इसके चलते दिल्ली में मुख्य विपक्षी पार्टी होने के बावजूद आआपा हाशिए पर जाती दिखती थी। पंजाब में सरकार होने के बावजूद आआपा नेताओं में पहले वाले तेवर नहीं दिख रहे थे। लेकिन 27 फरवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू विशेष न्यायालय के न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह की अदालत ने साफ कहा किया शराब घोटाले के आरोपों को साबित करने के लिए ठोस साक्ष्य नहीं दिए गए हैं। अदालत ने सभी आरोपियों को न केवल आरोप मुक्त किया बल्कि सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश दिया।इसे आधार बनाकर केजरीवाल और आआपा ने दिल्ली में हंगामा खड़ा कर हारी हुई बाजी पलटने की कोशिश की। वे सालों बाद वापस जंतर-मंतर गए जहां से उनकी राजनीति शुरू हुई थी। जिन दावों के बल पर आआपा दिल्ली जीती और देशभर में राजनीति कर अखिल भारतीय पार्टी बनी, उसी बुनियाद पर नया महल बनाने की प्रयास करने लगी। आआपा की राजनीति की यूएसपी (मूल तत्व) ही अपने को कट्टर ईमानदार साबित करने और सरकारी धन से मुफ्त की रेवड़ियां बांटना था। वैसे तो 49 दिन की पहली अल्पमत सरकार के जाने के बाद 2015 में प्रचंड बहुमत की सरकार बनते ही आआपा नेताओं का चाल, चरित्र और चेहरा सामने आने लगा लेकिन प्रचंड बहुमत की दूसरी सरकार में खुलकर भ्रष्टाचार दिखने लगा। शराब घोटाले ने उसे उजागर कर दिया। किसी भी राज्य सरकार का अधिकार है कि वह आबकारी (शराब) नीति बनाए लेकिन खुद बना कर और हड़बड़ी में वापस लेकर इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सबूत दे दिए। 17 नवंबर, 2021 को नई शराब नीति लागू की गई। इसके तहत 32 जोन बनाए गए। हर जोन में अधिकतम 27 दुकानें खुलनी थी। पहले 60 फीसदी दुकान सरकारी और 40 फीसदी निजी होती थी। इस बार 3500 करोड़ लाभ होने के नाम पर सभी दुकानें निजी कारोबारी को दी गई। जनता और सरकार दोनों को नुकसान होने के आरोप लगने पर आनन-फानन में 30 जुलाई, 2022 को नई आबकारी नीति को वापस लेकर पुरानी को बहाल कर दी गई। आरोप है कि इससे निजी कारोबारियों को करोड़ों का फायदा हुआ और सरकार के राजस्व का सीएजी के मुताबिक करीब दो हजार (2002.68) करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इसमें सौ करोड़ रुपए की रिश्वत का आरोप है। शराब नीति में भ्रष्टाचार होने की शिकायत मिलने पर 8 जुलाई, 2022 को मुख्य सचिव ने उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को अपनी रिपोर्ट दी। 22 जुलाई, 2022 को नियमों के उल्लंघन पर सीबीआई जांच की सिफारिश की। 19 अगस्त को सीबीआई ने उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत तीन लोगों के घरों पर छापे मारे। 22 अगस्त, 2022 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब नीति पर मनीलांड्रिंग का मामला दर्ज किया। सितंबर, 2022 में सीबीआई ने आआपा के संचार प्रमुख विजय नायर को गिरफ्तार किया। मार्च, 2023 में मनीष सिसोदिया और अक्तूबर में सांसद संजय सिंह को ईडी ने गिरफ्तार किया। तभी केजरीवाल को ईडी ने पहला सम्मन भेजा। 16 मार्च, 2023 को भारत राष्ट्र समिति की नेता कविता गिरफ्तार हुईं। नौवीं बार सम्मन पर न आने के बाद 21 मार्च को ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया। 10 मई, 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत दी। 02 जून, 2024 को उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर किया। 13 सितंबर, 2024 को उन्हें जमानत मिली। वे 156 दिन और सिसोदिया 530 दिन जेल में रहे। 27 फरवरी को निचली अदालत ने केजरीवाल समेत सभी को आरोप मुक्त कर दिया। हाई कोर्ट ने इसके खिलाफ सीबीआई की अर्जी पर सुनवाई शुरु कर दी है। कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री करने के वायदे ने आआपा को साल 2015 के चुनाव में दिल्ली विधानसभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव के बाद पार्टी में अरविंद केजरीवाल का राजनैतिक कद और बढ़ गया। दोबारा मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने दिल्ली से बाहर पार्टी को न ले जाने का घोषणा कर दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि पार्टी को वोट उनके नाम से मिलते हैं। साल 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में फिर उन्होंने रिकार्ड 54 फीसद वोट के साथ 62 सीटें जीती। साल 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में तो आआपा को कोई सफलता नहीं मिली लेकिन पंजाब में बेहतर नतीजे मिले। 117 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस को 77 सीटें और आआपा को 20 सीटें मिलीं। इस बार आआपा ने शानदार जीत दर्ज की। उसे न केवल 92 सीटें मिली और उसकी दिल्ली से बाहर सरकार बनी। गुजरात और गोवा में चुनाव लड़कर आआपा अखिल भारतीय पार्टी बन गई। सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास बना दिया। नेता अरविंद केजरीवाल अपने पुराने वायदे ही नहीं भूले, आम नेताओं से आगे निकल कर सरकारी कोठी को भव्य कोठी (विपक्षी दल शीशमहल कहते हैं) बनाकर रहने लगे। दिल्ली सचिवालय के अपने आधुनिक कार्यालय में भी उन्होंने करोड़ों रुपए खर्च करके काफी बदलाव कर उसे भी आलीशान बनवाया। उन्होंने जंतर-मंतर, रामलीला मैदान कौन कहे लोगों के बीच जाना छोड़ ही दिया। सुरक्षा के भारी तामझाम के कारण लोगों से उनकी दूरी बढ़ी और जिस वीआईपी कल्चर का विरोध कर वे राजनीति में आए, उसी कल्चर के प्रतीक बन गए। कट्टर ईमानदार राजनीति का दावा करने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी के शराब घोटाले आदि भ्रष्टाचार में फंसने के बाद उन्हें उस जंतर-मंतर की याद आई, जहां से उन्होंने अपने राजनीतिक गुरु अण्णा हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाया था। साल 2024 का लोकसभा चुनाव और 2025 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने अपने को प्रताड़ित करने का मुद्दा बनाने की असफल कोशिश की। 70 सदस्यों वाली विधानसभा के चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी। आआपा को 22 सीटें मिली। मतों का अंतर महज दो फीसदी का था। पहली बार आआपा 2022 में दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से 134 सीटें मिली थी। भाजपा को 104 सीटें मिली थी।

मेष राशि :आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। हार्डवेयर का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है। आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में रूचि लेंगे। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। ट्रान्सफर में आ रही दिक्कतें आज ख़त्म होंगी, ट्रान्सफर आपकी मनपसंद जगह पर हो सकता है।

वृष राशि :आज का दिन आपको कारोबार में लाभ दिलाने वाला है। आज आपको किसी ख़ास रिश्तेदार से मिलने का मौका मिलेगा। सी - टीईटी की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की जरुरत है, सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। ग्रोसरी का कारोबार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा। जीवनसाथी से चल रही अनबन आज ख़त्म होगी, जिससे घर में शांति का माहौल बना रहेगा।

मिथुन राशि :आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको किसी प्रकार का शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, आपका मन प्रसन्न रहेगा। मोबाइल एक्सेसरीज का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होने वाला है। आज अपने परिवार के प्रति विनम्र रहने की अवश्यकता है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको बाहर के मसालेदार खाने से परहेज करने की जरुरत है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में अपना पूरा फोकस काम पर रखें। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज माता-पिता को स्पेशल फील करायेंगे, उनकी पसंद का गिफ्ट उन्हें दे सकते हैं। आज लवमेट डिनर पर जा सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। रेस्टोरेंट का कारोबार शुरू करने का विचार बना रहे लोगों को किसी बड़े की सलाह लेनी चाहिए। आज विद्यार्थी वर्ग किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज ऑफिस के किसी टारगेट को अचीव करेंगे। आज आप फ्रेंड्स के साथ पिकनिक स्पॉट पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

कन्या राशि :आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर में आ रही परेशानी आज ख़त्म होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आप चुस्त दुरुस्त बने रहेंगे। साइबर कैफ़े का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है। लवमेट आज आपके लिए कुछ स्पेशल करेंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बैंक से लोन लेने में आ रही परेशानी आज ख़त्म होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को आज सम्मानित किया जाएगा। कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे लोगों का आज ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सेल होगा। आज अपने जीवनसाथी की पसंद का पकवान बनायेंगी, उन्हें बेहद ख़ुशी होगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है। आज परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन नए व्यापार को शुरू करने के लिए बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस से जरुरी कॉल आ सकती है, आज आपको मीटिंग अटेंड करनी पड़ सकती है। दांपत्य रिश्ते में हो रही अनबन आज ख़त्म होगी, जीवनसाथी के साथ दिन मनोरंजन से भरा रहेगा। सरकारी विभाग से जुड़े लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

धनु राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप वाहन खरीदने का विचार परिवार के साथ कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए आपको और मेहनत की अवश्यकता है, सफलता जरुर मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको कार्य क्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहने की जरुरत है। लवमेट को आज काफी देर तक फ़ोन पर बात करने का अवसर मिलेगा। आज वकील वर्ग को किसी केस में जीत हासिल होगी। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी पढ़ाई को गति देने की अवश्यकता है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या से काफी राहत मिलेगी। जीवनसाथी के साथ कई दिनों से चल रही गलत फहमियां आज दूर होंगी, जिससे आपका रिश्ता और मजबूत बनेगा। शिक्षकों के लिए आज का दिन उर्जा से भरपूर रहने वाला है। आज आपके पिता किसी जरुरी बात पर आपकी सलाह लेंगे। विद्यार्थियों को आज किसी टॉपिक को समझने में परेशानी आ सकती है।

मीन राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। आज किसी पर अधिक भरोसा करने से पहले उसे अच्छे से जान लें। विद्यार्थियों को अपने करियर का चुनाव करने का सही समय है। ऑनलाइन बिजनेस कर रहे लोगों को आज बड़ा आर्डर मिलने के योग है।

जहां से सिंथेटिक ड्रग्स की शुरुआत, वहीं से मुकाबला

चार्वी अरोड़ा

सिंथेटिक ड्रग्स की शुरुआत सड़कों पर नहीं होती। उनकी शुरुआत उससे कहीं पहले, कारखानों, गोदामों और उन शिपिंग कंटेनरों में होती है जो हर दिन रसायनों को सीमाओं के पार ले जाते हैं। इनमें से कई रसायन कानूनी हैं और फार्मास्यूटिकल तथा अन्य उद्योगों में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। लेकिन जब तस्कर इन्हें दूसरे रास्ते ले जाते हैं, तो यही पदार्थ उन सिंथेटिक ड्रग्स के निर्माण की नींव बन जाते हैं जो समुदायों और सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाते हैं। ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) में सहायक विशेष एजेंट-इन-चार्ज केटी डोराइस बताती हैं कि प्रीकर्सर रसायनों को नियंत्रित करना अमेरिकी सरकार की प्राथमिकता क्यों है। डीईए, एक फेडरल कानून प्रवर्तन एजेंसी है जो तस्करों को इन रसायनों को हानिकारक नशीले पदार्थों में बदलने से रोकने के लिए काम करती है। प्रीकर्सर क्या होते हैं? डोराइस कहती हैं, "प्रीकर्सर रसायन वे आवश्यक घटक होते हैं जिनका उपयोग मेथामफेटामीन और फेनेटाइल जैसे नियंत्रित पदार्थों का अवैध रूप से निर्माण करने में किया जाता है।" वे यह भी जोड़ती हैं कि इनमें से कई रसायनों के वैध उपयोग भी होते हैं। समस्या का पैमाना अत्यंत विशाल है। वह कहती हैं, "2024 में, डीईए ने फेनेटाइल -मिश्रित 6 करोड़ से अधिक नकली गोलियाँ और लगभग 8,000 पाउंड फेनेटाइल पाउडर जब्त किया। ये जब्तियाँ फेनेटाइल की 38 करोड़ से अधिक घातक खुराकों के बराबर हैं।" ये आँकड़े दर्शाते हैं कि अमेरिकी सरकार प्रीकर्सर नियंत्रण को केवल नियामक मुद्दा नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का प्रश्न क्यों मानती है। 2025 के अंत में, डीईए ने फेंटानिल फ्री अमेरिका नामक एक अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य फेनेटाइल की आपूर्ति और मांग दोनों को कम करना है। डोराइस कहती हैं, "डीईए अमेरिकी जीवन और समुदायों को फेनेटाइल के विनाशकारी प्रभावों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। फेंटानिल फ्री अमेरिका का अर्थ रोकथाम, शिक्षा और साझेदारी है।"

शृंखला को तोड़ना- इन रसायनों के वैध उपयोग भी होते हैं, तस्कर अक्सर सबकी नजरों के सामने छिपे रहते हैं। डोराइस एक सामान्य

तरीके की ओर इशारा करती हैं जिसे ट्रांसशिपमेंट कहा जाता है। वह कहती हैं, "इस प्रणाली में आयात/निर्यात से जुड़े ऐसे छिद्र हैं जिनसे निपटना कठिन है।" आपराधिक समूह कमज़ोर निगरानी वाले बंदरगाहों के माध्यम से रसायनों को स्थानांतरित करते हैं और फिर उन्हें आगे भेज देते हैं। वह जोड़ती हैं, "यह प्रक्रिया प्रारंभिक निर्यातक देश के लिए कागजी रिकॉर्ड को साफ-सुथरा दिखाती है।" डीईए के लिए इस चरण पर दुरुपयोग को रोकना अत्यंत महत्वपूर्ण है। डोराइस कहती हैं, "डीईए प्रीकर्सर रसायनों के नियंत्रण को प्राथमिकता देता है, जिससे ड्रग तस्करों के लिए नशीले पदार्थ बनाने हेतु कच्चा माल प्राप्त करना कठिन हो जाता है।" एक और सामान्य तरीका, गलत घोषणा (मिस-डिक्लेरेशन), किसी शिपमेंट की वास्तविक प्रकृति या गंतव्य को छिपाने से जुड़ा होता है। वह समझाती हैं, "प्रीकर्सर रसायन ऑनलाइन खरीदे जाते हैं और आयात/निर्यात के दौरान उनकी गलत घोषणा की जाती है।" इस जोखिम से निपटने के लिए डीईए कंपनियों के साथ नो योर कस्टमर (केवाईसी) प्रथाओं पर काम करता है। डोराइस बताती हैं, "केवाईसी का सिद्धांत यह है कि कोई रासायनिक या फार्मास्यूटिकल कंपनी ऐसी नीतियाँ लागू करे जिससे ज्ञात प्रीकर्सरों की बिक्री केवल उन ग्राहकों तक सीमित रहे जिन्हें वास्तविक माना जाता है।" उभरते जोखिमों की पहचान में वैज्ञानिक विश्लेषण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डोराइस बताती हैं, "अमेरिका में डीईए की प्रयोगशाला प्रणाली सिंथेटिक ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी है।" "यह जब्त किए गए रसायनों- जैसे पाउडर, तरल और गोलियाँ- का विश्लेषण करती है। वर्षों में, डीईए ने प्रीकर्सर सिग्नेचर, संश्लेषण मार्गों, अशुद्धता प्रोफाइल और उभरते एनालॉग्स का एक विशाल डेटाबेस तैयार किया है।" तस्करों द्वारा रणनीतियाँ बदलने के साथ सरकारों को भी अनुकूलन करना पड़ता है। वह कहती हैं, "एआई और डेटा एनालिटिक्स दूसरे रास्ते भेजे गए हुए प्रीकर्सर रसायनों का पता लगाने में शक्तिशाली उपकरण हैं।" डेटा एनालिटिक्स किसी भी एजेंसी को रसायनों की खरीद की मात्रा, शिपिंग जानकारी, आयात और निर्यात डेटा जैसी विसंगतियों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। ये उपकरण जांचकर्ताओं को उच्च-जोखिम वाले शिपमेंट पर रियल-टाइम अलर्ट लगाने या किसी कंपनी द्वारा असामान्य गंतव्य पर बड़ी मात्रा में प्रीकर्सर रसायन बेचने की पहचान करने में मदद कर सकते हैं।

भारत के साथ काम- डीईए भारत के साथ सहयोग के महत्व पर जोर देता है। डोराइस कहती हैं, "भारत वैध प्रीकर्सर रसायनों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है, इसलिए साझेदारी आवश्यक है।" बताती हैं कि डीईए भारत की सेंट्रल रेवेन्यूज़ कंट्रोल लेबोरेटरी (सीआरसीएल) के साथ प्रीकर्सर रसायनों और सिंथेटिक ओपिओइड्स की पहचान पर काम कर रहा है। डीईए का नई दिल्ली कार्यालय भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स के साथ भी जानकारी साझा करने और संयुक्त जांचों के समर्थन के लिए निकटता से काम करता है। अगस्त 2025 में डीईए ने वर्जीनिया के स्टर्लिंग स्थित स्पेशल टेस्टिंग एंड रिसर्च लेबोरेटरी से दो रसायनज्ञों को भारत में समकक्षों के साथ रासायनिक विश्लेषण और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा करने के लिए भेजा। डीईए 2026 में सीआरसीएल के साथ अतिरिक्त कार्यक्रमों की उम्मीद करता है ताकि बदलते ड्रग रुझानों की निगरानी और सूचना साझा करना जारी रखा जा सके।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारतीय टीम जून से फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होगी वयस्त

साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप तक खेलनी है कई देशों से सीरीज

एजेंसी, मुम्बई

टी20 विश्वकप की जीत का जश्न मना रही भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अब कुछ दिनों के ब्रेक के बाद इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में खेलेंगे। विश्वकप जीतने के बाद से ही खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में 28 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल में भी इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन शीर्ष स्तर का रहने की संभावना है। 31 मई को होने वाले आईपीएल फाइनल के बाद टीम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त हो जाएगी। भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप को ध्यान में रखते हुए तैयारी करेगी। इस दौरान कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ता विश्वकप के लिए टीम संयोजन बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। सीमित ओवरों के क्रिकेट के

साथ-साथ टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत का लक्ष्य एक बार फिर विश्व टेस्ट चैम्पियनशपिपन फाइनल में जगह बनाना होगा, जिससे टेस्ट क्रिकेट में भी आईसीसी ट्रॉफी जीत सके।

- **जून में अफगानिस्तान के खिाफ घरेलू सीरीज-** भारतीय टीम को अब जून में अफगानिस्तान से खेलेगी। टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 1 टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलेगी। ये मुकाबल भारत में ही 6 से 20 जून के बीच खेले जाएंगे।
- **इंग्लैड दौरा-** भारतीय टीम जुलाई में 5 टी20 और 3 एकदिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। ये मुकाबले एक से 19 जुलाई के बची होंगे।
- **श्रीलंका दौरा-** भारतीय टीम इसके बाद अगस्त में श्रीलंका का दौरा कर दो टेस्ट और 2 टी20 खेलेगी।
- **बांग्लादेश दौरा-** भारतीय टी सितंबर में बांग्लादेश जाकर एक से 13 सितंबर के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी20 खेलेगी।
- **एशियाई खेल-** इसके बाद भारतीय टीम को एशियाई खेलों में भाग लेने जाने जापान जाना है। ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे।
- **वेस्टइंडीज का भारत दौरा-** भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और 3 टी20 मैच अक्टूबर माह में खेलेगी ।
- **भारत का न्यूजीलैंड दौरा-** भारीय टीम इस दौरे में दो टेस्ट, तीन तीन एकदिवसीय के अलावा 5 टी20 मुकाबले खेलेगी।

ये मुकाबले अक्टूबर से नवंबर के बीच खेले जाएंगे।

श्रीलंका का भारत दौरा- भारतीय टीम श्रीलंका के साथ साल के अंत में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी- भारतीय टीमी अपनी ही धरती पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांव 5 टेस्ट साल 2027 की वहीं क्वालीफाई करने पर जून में इंग्लैंड में उसे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने जाना होगा।

- मैचः 1 टेस्ट
- तारीखः जून 2027
- मेजबान देशः इंग्लैंड
- एशिया कप 2027

भारतीय टीम एशिया कप किए जुलाई में बांग्लादेश जाएगी।

एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप 2027- ये मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे, नामीबिया में खेले जाएंगी। जिसमें भारतीय टीम खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी।

अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप पर लगी गंभीर की नजरें

» आईपीएल के बाद शुरु होंगी तैयारियां

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब गंभीर की नजरें अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप पर लगी हैं। इसको जीतने के लिए गंभीर ने योजना बनाना भी शुरु कर दिया है। गंभीर एक ऐसे कोच माने जाते हैं जो भविष्य को देखते हुए योजनाएं बनाते हैं। उनका कहना है कि आईपीएल 2026 के अंत तक एकदिवीसय विश्व कप 2027 के लिए कार्य योजना तैयार हो जाएगी। गंभीर ने कहा कि टीम प्रबंधन कुछ दिन के आराम के बाद फिर से अगले आईसीसी टूर्नामेंट के लिए योजना पर अमल करना शुरु करेगा। गौरतलब है कि एकदिवसीय विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया

और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा। गंभीर जानते हैं कि वहां की तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलना आसान नहीं होता है। इसी को देखते हुए गंभीर ने कहा कि आईपीएल 2026 के तत्काल बाद टीम इस टूर्नामेंट की तैयारी शुरू हो जाएगी। वहीं मई के अंत तक खिलाड़ियों का चयन हो जाएगा। भारतीय टीम को उसके पहले 25 से 30 एकदिवसीय खेलने हैं जिसमें उसे अभ्यास का पर्याप्त अवसर मिल जाएगा। गंभीर ने कहा, 2027 विश्व कप की योजना आईपीएल के बाद शुरू होगी। आईपीएल 2026 और विश्व कप के बीच लगभग 25 से 30 वनडे मैच होने हैं। आजकल एकदिवसीय प्रारुप बहुत ज्यादा नहीं खेला जाता है। हम जितनी जल्दी इसकी योजना बनाना शुरू करेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा। कोच ने आगे कहा, हमें मालूम है कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट खेलने के लिए आसान जगह नहीं है। हमें वहाँ के हालातों के हिसाब से सही संयोजन तलाशने होंगे और उन खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। यह काम चयनकर्ता और कोचिंग स्टाफ करेंगे।।"

सैमसन के नाम दर्ज हुआ अनौखा रिकार्ड

एजेंसी, मुम्बई

आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन छाये रहे। सैमसन ने इस टूर्नोमेंट में लगातार तीन अर्धशतक सहित कई रिकार्ड बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक अनोखा रिकार्ड भी बनाया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैचों में बाहर रहने के बाद भी 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार प्राप्त सैमसन से पहले केवल चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था पर इन सभी खिलाड़ियों ने केवल एक मैच नहीं खेला था। वहीं सैमसन शुरुआत के चार मैचों से बाहर रहे थे। वह टूर्नामेंट की शुरूआत में सैमसन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला जिसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह टीम में जम गये। सुपर-8 में शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाज होने के कारण टीम संयोजन को बेहतर बनाने दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण सैमसन को जगह मिली जिसका उन्होंने

पूरा लाभ उठाया। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले, जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। वहीं आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार

» हरमनप्रीत आठवें नंबर पर पहुंची, जेमिमा 12 वें स्थान पर फिसली

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की ऑलरांउडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें

नंबर पर आ गयी है। न्यूजीलैंड की ही बल्लेबाज ब्रुक हैलीडे आठ स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर और मैडी ग्रीन चार स्थान के लाभ के साथ ही 22वें स्थान पर आ गयी हैं। हैलीडे ने सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया जबकि ग्रीन ने अर्धशतक। वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के कारण श्रीलंका की बाएं हाथ की बल्लेबाज हसिनी परेरा ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में 15 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गयी है। इमेशा दुलानी बल्लेबाजी रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 72वें नंबर पर हैं पर कविशा दिलहारी गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही 21वें पायदान पर पहुंच गयी है।

इंडियन वेल्स में आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराया, क्वार्टरफाइनल में प्रवेश

एजेंसी, इंडियन वेल्स

विश्व की नंबर एक बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम विजेताओं की टक्कर में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को जापान की नाओमी ओसाका को 6-2, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सबालेंका क्वार्टरफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा और विक्टोरिया मबोको के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाते हुए 31 विनर और आठ ऐस लगाए। उन्होंने पहले सेट में दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ते हुए आसानी से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ओसाका ने लय पकड़ने की कोशिश की, लेकिन सबालेंका की मजबूत सर्विस को भेदने में वह नाकाम रहीं। सबालेंका ने दूसरे सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए और 4-3 की बढ़त बनाने के लिए शानदार फोरहैंड विनर लगाए। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह सिर्फ दूसरा मुकाबला था। इससे पहले 2018 में खेले गए मैच में ओसाका ने जीत हासिल की थी और उसी वर्ष उन्होंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। सबालेंका ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने कोर्ट पर विविधता लाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे अहम मौकों पर ओसाका भ्रमित नजर आईं।

तालिया गिब्सन का शानदार प्रदर्शन- इस बीच ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन

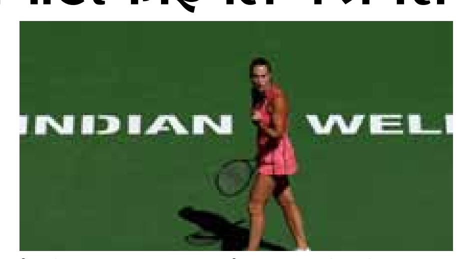

ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। 21 वर्षीय गिब्सन ने मैच में कुल 42 विनर लगाए और अपने करियर में पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी को हराया। पहले सेट में उन्होंने आखिरी क्षणों में ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई। दूसरे सेट में पाओलिनी ने 3-0 की बढ़त के साथ वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में गिब्सन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। विश्व रैंकिंग में 112वें स्थान पर काबिज गिब्सन ने मैच के बाद कहा कि वह इस जीत से बेहद भावुक हैं और खुद भी अपने प्रदर्शन से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि उनका आक्रामक खेल उन्हें लगातार मौके बनाने में मदद करता है और इंडियन वेल्स में वह उसी रणनीति के साथ आगे बढ़ रही हैं। अब क्वार्टरफाइनल में गिब्सन का सामना लिंडा नोस्कोवा और अलेक्जेंड्रा ईला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव का रुख बना हुआ है। आज शेयर बाजार ने सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत की थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन पहले 5 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.49 प्रतिशत और निफ्टी 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटरग्लोब एवियशन, अदानी पोर्ट्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी और टाटा स्टील के शेयर 2.20 प्रतिशत से लेकर 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा, मैक्स हेल्थकेयर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और भारती एयरटेल के शेयर 1.21 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,676 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,096 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 580 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 32.93 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,238.91 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार

की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक उछल कर 78,324.37 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल पर कोई विशेष असर नहीं पड़ सका। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 380.65 अंक की गिरावट के साथ 77,825.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 29.75 अंक टूट कर 24,231.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर थोड़ी ही देर में यह सूचकांक उछल कर हरे निशान में 24,299 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी दोबारा लाल निशान में गिर गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 112.45 अंक की कमजोरी के साथ 24,149.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 639.82 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,205.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 233.55 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,261.60 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

लैपटॉप-डेस्कटॉप इस साल 35% तक महंगे होंगेःमार्च में 10% बढ़ सकती है कीमतें, 12% बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी

नई दिल्ली। कीमतों में इस बढ़ोतरी की वजह से इस साल कंप्यूटर बाजार की ग्रोथ में 8% तक की कमी आ सकती है। कीमतों में इस बढ़ोतरी की वजह से इस साल कंप्यूटर बाजार की ग्रोथ में 8% तक की कमी आ सकती है। देश में अगले कुछ महीनों में लैपटॉप और डेस्कटॉप खरीदना महंगा पड़ सकता है। प्रोसेसर और ग्राफिक्स कार्ड (GPU) जैसे प्रमुख कंपोनेंट्स के दाम बढ़ने से इस साल लैपटॉप-डेक्सटॉप की कीमतों में 35% तक के उछाल की संभावना है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि कीमतों में इस बढ़ोतरी की वजह से इस साल कंप्यूटर बाजार की ग्रोथ में 8% तक की कमी आ सकती है। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है।

मार्च में 10% बढ़ सकती है कीमतें, 12% पहले ही महंगे हो चुके- IDC इंडिया के सीनियर मार्केट एनालिस्ट भरत शेनॉय के मुताबिक, रैम (RAM) की

कीमतें पहले ही 2.5 से 3 गुना तक बढ़ चुकी हैं। इससे लैपटॉप और डेस्कटॉप की कीमतों में अब तक 10-12% की बढ़ोतरी हो चुकी है। मार्च के महीने में ही 8-10% की एक और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि इसके अगले कुछ महीनों में कीमतें 10% और बढ़ सकती हैं।

35 हजार वाला लैपटॉप अब 45 हजार का होगा- शेनॉय ने बताया कि जो डिवाइसेस पहले 30,000 से 35,000 रुपए की रेंज में मिलते थे, उनकी कीमत अब 45,000 रुपए के करीब पहुंच रही हैं। इससे स्टूडेंट्स, होम यूजर्स और पहली बार कंप्यूटर खरीदने वालों के लिए अपग्रेड करना मुश्किल हो जाएगा। जानकारों का कहना है कि यह तेजी अगले 6-7 तिमाहियों तक जारी रह सकती है और 2027 के दूसरे हाफ से पहले राहत मिलने की उम्मीद कम है।

AI-सप्लाई चेन है बड़ी वजह- काउंटरपॉइंट रिसर्च की सीनियर एनालिस्ट अंशिका जैन के अनुसार, मेमोरी (DRAM और NAND) की कीमतों में उछाल का सबसे बड़ा कारण 'AI इंफ्रास्ट्रक्चर' की बढ़ती डिमांड है। कंपनियां अब अपना प्रोडक्शन हाई-मार्जिन वाले सर्वर और हाई-बैंडविड्थ मेमोरी की तरफ मोड़ रही हैं, जिससे आम लैपटॉप के लिए इस्तेमाल होने वाले पाट्‌र्स महंगे हो गए हैं। इसके अलावा इंटेल के एंट्री-लेवल प्रोसेसर की कमी ने भी मुश्किल बढ़ा दी है।

मिडिल ईस्ट में तनाव का भी असर- इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' में चल रहे तनाव के कारण भविष्य में संकट और गहरा सकता है। यह रूट एनर्जी और पेट्रोकेमिकल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

अमेरिका में 50 साल बाद पहली नई रिफाइनरी बनेगीःरिलायंस के साथ पार्टनरशिप, ट्रम्प बोले- ये अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी डील

वॉशिंगटन। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अमेरिका में ऑयल रिफाइनरी बनाने के लिए डील की है। अमेरिका में पिछले 50 सालों में यह पहली नई ऑयल रिफाइनरी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 11 मार्च को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने कहा कि यह 300 अरब डॉलर यानी, करीब 27 लाख करोड़ रुपए की एक ऐतिहासिक डील है। उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी वर्कर्स, हमारे एनर्जी सेक्टर और साउथ टेक्सस के शानदार लोगों की बहुत बड़ी जीत है। रिलायंस के निवेश लिए उन्होंने धन्यवाद दिया।

ब्राउनविले में बनेगी दुनिया की सबसे 'क्लीन' रिफाइनरी- डोनाल्ड ट्रम्प के मुताबिक, यह रिफाइनरी साउथ टेक्सस के 'पोर्ट ऑफ ब्राउनविले' में बनाई जाएगी। ट्रम्प ने दावा किया कि यह दुनिया की सबसे साफ रिफाइनरी होगी। इस प्रोजेक्ट से अमेरिका के घरेलू बाजारों को ईंधन मिलेगा, नेशनल सिक्योरिटी मजबूत होगी और हजारों की संख्या में नई नौकरियां पैदा होंगी। ट्रम्प ने कहा कि रिलायंस का यह निवेश उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति, टैक्स में कटौती और परमिट प्रक्रिया को आसान बनाने की वजह से मुमकिन हो पाया है।

रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी का अनुभव काम आएगा- रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास गुजरात के जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स चलाने का अनुभव है। अब इसी तकनीक और अनुभव का इस्तेमाल अमेरिका में 50 साल बाद बनने वाली पहली रिफाइनरी में किया जाएगा।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 670 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 720 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,390 रुपये से लेकर 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,860 रुपये से लेकर 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,90,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये प्रति 10

ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देशभर में LPG की किल्लत, एजेंसी के बाहर लंबी लाइनेंःUP-बिहार में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बंट रहे, राजस्थान में कालाबाजारी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है। इस बीच दिल्ली हाई कोर्ट की वकीलों की कैंटीन ने भी LPG गैस सिलेंडर न होने की वजह से मेन कोर्स का खाना देना कुछ समय के लिए बंद कर दिया है। मनीकंट्रोल के मुताबिक, IRCTC भी अपनी CO कैटरिंग ऑपरेशन ट्रेनों में खाने की सर्विस कुछ समय के लिए रोक सकती है। वहीं उन यात्रियों को रिफंड दे सकती है, जिन्होंने अपने टिकट के साथ खाना पहले से बुक किया था।

इसके अलावा IRCTC ने कैटरिंग यूनिट्स से LPG की संभावित कमी से निपटने के लिए माइक्रोवेव और इंडक्शन का इस्तेमाल करने को भी कहा है।

मध्य प्रदेशः कैटरर्स बोले- ये इमरजेंसी जैसी स्थिति- कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है। जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं।

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की स्पाई थ्रिलर अल्फा की बदली रिलीज डेट, अब 10 जुलाई को थिएटर में दस्तक देगी फिल्म

आलिया भट्ट और शरवरी की आगामी फिल्म अल्फा की नई रिलीज डेट का आखिरकार आ ही गई. इससे इसके सिनेमाघरों में रिलीज होने को लेकर महीनों से चल रही अटकलों का अंत हो गया है. पिछले कुछ महीनों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से बॉक्स ऑफिस पर क्लैश से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित किया जा सकता है. कुछ अफवाहों में यह भी कहा गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होगी और सीधे किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो जाएगी. हालांकि मेकर्स के नए एलान से इसकी पुष्टि हो गई है कि फिल्म सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी. आलिया भट्ट की लंबे समय से अटकी फिल्म अल्फा अब 10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी. यह फिल्म पहले दिसंबर 2025 और फिर अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट तय हो गई है. मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है, जिसमें आलिया भट्ट की एक झलक दिखाई गई, साथ ही फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में आधिकारिक जानकारी भी दी गई, जिसमें शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल शामिल हैं. अल्फा को पहले क्रिसमस 2025 को रिलीज करने की योजना थी. बाद में, मेकर्स ने तारीख बदलकर 17 अप्रैल, 2026 कर दी. हालांकि, उसी तारीख को सलमान खान अभिनीत फिल्म बैटल ऑफ गलवान भी रिलीज होने वाली थी. बॉक्स ऑफिस पर सीधे टकराव से बचने के लिए, फिल्म मेकर्स ने अल्फा को आगे की तारीख में रिलीज करने का फैसला किया. अल्फा, यश राज फिल्म्स

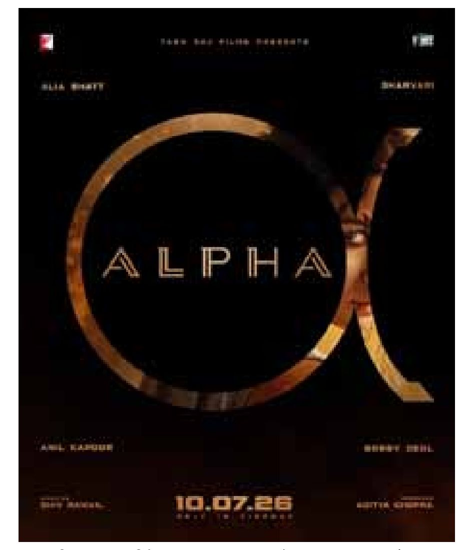

स्पाई यूनिवर्स के पॉपुलर हिस्से का हिस्सा है. इस फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3 और वॉर 2 जैसी ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में शामिल हैं. हालांकि, अल्फा इस फ्रेंचाइजी की पहली फीमेल लीड वाली स्पाई थ्रिलर होगी, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी बड़े लेवल पर एक्शन सेट में हाई-ऑक्टेन स्टंट करेंगी.

धुरंधर 2 एडवांस बुकिंगः रिलीज से पहले हो रही मोटी कमाई, तोड़ा पेड प्रीव्यू का रिकॉर्ड, स्त्री 2 का तोड़ा रिकॉर्ड, अब ओजी को पछाड़ना बाकी

धुरंधर 2 की एडवांस बुकिंग के आंकड़े फिल्म इंडस्ट्री में जबरदस्त हलचल मचा रहे हैं. रणवीर सिंह स्टारर इस मोस्ट अवेटेड एक्शन सीक्वल ने रिलीज से पहले ही शानदार शुरुआत कर दी है. हालांकि फिल्म को सिनेमाघरों में आने में अभी कई दिन बाकी हैं, लेकिन शुरुआती टिकटों की बिक्री से पता चलता है कि दर्शक इस सीक्वल को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं. धुरंधरः द रिवेंज नामक यह फिल्म पिछले साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का दूसरा भाग है. आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह सीक्वल 19 मार्च, 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी. फिल्म का पेड प्रीव्यू रिलीज से एक दिन पहले 18 मार्च को शुरू होगा. सैकनिल्क के अनुसार, भारत में प्रीमियर शो से धुरंधर 2 की एडवांस बुकिंग ने पहले ही 12.29 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म अब तक 2.06 लाख से अधिक टिकट बेच चुकी है. ब्लॉक सीटों को भी शामिल करने पर, प्रीमियर शो के लिए कुल कमाई लगभग 18.1 करोड़ रुपये तक पहुंची है. ये आंकड़े खासतौर से प्रभावशाली हैं क्योंकि फिल्म के प्रीमियर में अभी भी लगभग 9-10 दिन बाकी हैं. हिंदी वर्जन में कमाई सबसे आगे है. लगभग 1.94 लाख टिकटों की बिक्री से इसने करीब 12.07 करोड़ रुपये कमाए हैं. तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में बुकिंग फिलहाल कम है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ इन बाजारों में बुकिंग बढ़ सकती है. विदेशों में भी फिल्म को लेकर जबरदस्त दिलचस्पी दिख रही है. अकेले अमेरिका में ही फिल्म के 550 से अधिक सिनेमाघरों में 38,500 से ज़्यादा टिकट बिक चुके हैं. अमेरिकी प्रीमियर से कुल कमाई लगभग 618,911 डॉलर तक पहुंच गई है, जो लगभग 5.15 करोड़ रुपये के बराबर है. ये आंकड़े फिल्म की वैश्विक स्तर पर जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाते हैं. फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि इसने बॉलीवुड प्रीमियर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना लिया है. पिछला रिकॉर्ड हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 के नाम था, जिसने अपने पेड प्रीव्यू शो से लगभग 10 करोड़ रुपये की कमाई की थी. धुरंधरः द रिवेंज ने सिर्फ एडवांस बुकिंग के जरिए ही इस आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है. हालांकि, अगला बड़ा लक्ष्य इससे भी कहीं अधिक बड़ा है. भारत में पेड प्रीव्यू का रिकॉर्ड फिलहाल पवन कल्याण अभिनीत फिल्म ओजी के नाम है, जिसने अपने प्रीमियर शो से लगभग 25 करोड़ रुपये कमाए थे. ट्रेड विश्लेषक अब इस बात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं कि क्या धुरंधर 2 प्रीव्यू शो शुरू होने तक इस मुकाम तक पहुंच पाएगी या इसे पार भी कर पाएगी. पहली फिल्म की अपार लोकप्रियता को देखते हुए इस तरह की जबरदस्त प्रतिक्रिया कोई आश्चर्य की बात नहीं है. पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई धुरंधर 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई. इसने पुष्पा 2ः द रूल को भी पीछे छोड़ते हुए अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड बना लिया. हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर ने भी फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है. यह फिल्म अंडरकवर एजेंट जसकिरत सिंह रंगी, उर्फ हमजा अली मजारी की कहानी को आगे बढ़ाती है. इस सीक्वल में, गैंगस्टर रहमान डकैत की मौत के बाद, कराची के लयारी के आपराधिक अंडरवर्ल्ड में उनके उदय को दिखाया गया है. रहमान डकैत का किरदार पहली फिल्म में अक्षय खन्ना ने निभाया था. इस सीक्वल में संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, यामी गौतम और सारा अर्जुन सहित कई दमदार कलाकार हैं. ईद, गुड़ी पड़वा और उगादी जैसे त्योहारों के नज़दीक आने के साथ, फिल्म को बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए एक आदर्श समय मिल गया है.

सनी के किरदार में शाहिद कपूर की वापसी, राज एंड डीके संग शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

साल 2023 की सुपरहिट वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर है. एक्टर शाहिद कपूर ने ऑफिशियली फर्जी 2 की शूटिंग शुरू कर दी है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास तस्वीर शेयर कर इस बात की जानकारी दी. इस फोटो में शाहिद कपूर, राज निदिमोरू और कृष्णा डीके यानी राज एंड डीके के साथ नजर आ रहे हैं. जैसे ही यह अपडेट सामने आया, सोशल मीडिया पर सीरीज को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई. शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है, उसमें वह सेट पर राज एंड डीके के साथ दिखाई दे रहे हैं. फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, फर्जी 2 डे 1... बैक एट इट! इसका मतलब हैं कि यह फर्जी 2 की शूटिंग का पहला दिन है. इस पोस्ट के सामने आते ही फैंस में उत्साह बढ़ गया. वहीं सीरीज के मेकर्स राज एंड डीके ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इस प्रोजेक्ट की ओर इशारा किया. उन्होंने करेंसी नोटों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, राउंड 2 इन प्रोग्रेस. इससे साफ हो गया कि फर्जी का दूसरा सीजन अब बनना शुरू हो चुका है. लंबे समय से फैंस इस सीजन का इंतजार कर रहे थे और अब शूटिंग शुरू होने की खबर ने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है. बता दें, फर्जी का पहला सीजन फरवरी 2023 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था. यह एक क्राइम थ्रिलर कहानी थी, जिसमें शाहिद कपूर ने सनी नाम के एक कलाकार का किरदार निभाया था. कहानी में दिखाया गया कि कैसे एक छोटा कलाकार हालात के चलते नकली नोटों के बड़े नेटवर्क में फंस जाता है. आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में क्राइम, ड्रामा और डार्क ह्यूमर का दिलचस्प कॉम्बिनेशन देखने को मिला था और इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली. इस सीरीज से शाहिद कपूर ने ओटीटी की दुनिया में अपना डेब्यू भी किया था. सीरीज में उनके साथ विजय सेतुपति, राशि खन्ना, के के मेनन, भुवन अरोड़ा, रेजिना कैसांद्रा और अमोल पालेकर जैसे कलाकार नजर आए थे.

श्रद्धा कपूर ने दोबारा शुरू की ईथा की शूटिंग, इस कारण लेना पड़ा था ब्रेक

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्म ईथा को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी रही फिल्म में अभिनेत्री को तमाशा कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के किरदार में देखा जाएगा। निर्माताओं ने फिल्म पर काम 2025 से शुरू कर किया था, लेकिन नवंबर में श्रद्धा ने शूटिंग से दूरी बना ली थी। हालांकि, अब श्रद्धा सेट पर वापस आ चुकी हैं। उन्होंने मुंबई के मलाड स्थित मार्वे बीच पर शूटिंग शुरू कर दी है। सूत्र ने बताया, टीम ने मार्वे बीच पर एक गांव का सेट तैयार किया है। श्रद्धा के ठीक होने तक लक्ष्मण ने सेटों को वैसे ही रहने दिया। अब, उन्होंने एक डांस नंबर की शूटिंग शुरू की है, जिसमें श्रद्धा का किरदार मेले के बीच एक स्टेज पर परफॉर्म करता नजर आएगा। वैभवी मर्चेंट डांस नंबर की कोरियोग्राफी कर रही हैं। नवंबर, 2025 में शूटिंग करते वक्त श्रद्धा के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। 1940 से 1990 के बीच घटित होने वाली ईथा फिल्म पंढरपुर में जन्मी कलाकार नारायणगांवकर की बायोपिक होगी जिसमें उनकी लोकप्रियता के शुरुआती अनुभव और उनकी आर्थिक तंगी के सफर को दिखाया जाएगा। इस समय नारायणगांवकर के 40 साल के दृश्यों की शूटिंग चल रही है जो फरवरी में पूरी होगी। इसके बाद, अभिनेत्री उन दृश्यों की शूटिंग करेंगी जिसमें 20 से 30 साल की उम्र वाले दृश्य शामिल हैं। इस चरण को अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य है।

द केरल स्टोरी 2 ने दूसरे संडे को काटा बवाल, छापे धुआंधार नोट

अदिति भाटिया, ऐश्वर्या ओझा और उल्का गुप्ता की फिल्म द केरल स्टोरी 2ः गोज बियॉन्ड को रिलीज से पहले कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा था. विरोध प्रदर्शनों से लेकर कानूनी दांव-पेच तक, इस फिल्म ने साल 2023 में आई अपनी प्रीक्वल की तरह ही रिलीज से पहले कई उतार-चढ़ाव देखे. हालांकि, इन सब के बावजूद, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले हफ्ते में जबरदस्त परफॉर्म किया और दूसरे वीकेंड पर तो इसने बवाल ही काट दिया. चलिए यहां जानते हैं द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को कितना कलेक्शन किया है? द केरल स्टोरी 2 की शुरुआत बेशक धीमी हुई थी और लेकिन फिर इसने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा दम दिखाया कि हर कोई हैरान रह गया. इस फिल्म ने पहले हफ्ते में जबरदस्त कमाई करने के बाद रिलीज के दूसरे शनिवार तक अपना 28 करोड़ का पूरा बजट भी वसूल कर लिया. इसी के साथ ये फिल्म 'बॉर्डर 2 के बाद साल 2026 की दूसरी सक्सेसफुल फिल्म बन गई है और सेफ जोन में पहुंच गई है. वहीं रिलीज के 10वें दिन संडे को न्यूजीलैंड और भारत के बीच हुआ टी 20 वर्ल्डकप फाइनल मैच भी इसकी कमाई पर असर नहीं डाल सका. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो द केरल स्टोरी 2 ने पहले हफ्ते में 22.9 करोड़ कमाए थे.इसके बाद 8वें दिन इसने 2.75 करोड़ और 9वें दिन 40 फीसदी की तेजी दिखाते हुए 3.85 करोड़ कमाए.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को 3.18 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद इस फिल्म की 10 दिनों की कुल कमाई अब 32.68 करोड़ रुपये हो गई है. द केरल स्टोरी 2 साल की दूसरी सबसे बड़ी सक्सेसफुल फिल्म बन चुकी है. वहीं ये फिल्म साल 2026 की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बनने के लिए 'इक्कीस (36.25 करोड़) के घरेलू लाइफटाइम कलेक्शन का पीछा कर रही है. वहीं ये फिल्म दूसरे मंडे या दूसरे मंगलवार तक ये उपलब्धि भी हासिल कर लेगी. विपुल अमृतलाल शाह के निर्देशन में बनी इस फिल्म का बजट 28 करोड़ रुपये बताया गया है. महज 9 दिनों में इसने अपना पूरा बजट वसूल कर लिया है और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई है. हालांकि, हिट का दर्जा हासिल करने के लिए इसे अपने इनवेस्टमेंट का दोगुना यानी 56 करोड़ रुपये कमाने होंगे. अगले 10 दिनों में धुरंधर 2 की रिलीज के साथ देखने वाली बात होगी कि 'केरल स्टोरी 2 ये उपलब्धि हासिल कर पाती है या नहीं.

थलापति विजय की फिल्म जन नायकन फिर अधर में लटकी, स्थगित हुई स्क्रीनिंग

थलापति विजय पिछले कुछ समय से निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर खबरों में हैं। एक ओर, उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम ने चेन्नई की एक अदालत में विजय से तलाक के लिए अर्जी लगाई है। वहीं दूसरी ओर, अभिनेता की फिल्म जन नायकन को एक और बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की समीक्षा समिति द्वारा फिल्म की स्क्रीनिंग को अचानक स्थगित कर दिया गया है। बता दें, स्क्रीनिंग 9 मार्च को दोपहर 2 बजे होनी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, समीक्षा समिति के एक सदस्य के बीमार पड़ जाने के कारण जन नायकन की स्क्रीनिंग को अनिश्चितकाल के लिए रद्द करना पड़ा है। बताया जाता है कि निर्माता केवीएन प्रोडक्शन को कथित तौर पर 8 मार्च को पुनर्निर्धारित स्क्रीनिंग के बारे में आधिकारिक सूचना मिल गई थी, लेकिन इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण अचानक फैसला बदलना पड़ा। हालांकि, बोर्ड और निर्माताओं ने इस प्रक्रिया को लेकर चुप्पी साध रखी है। जन नायकन को 9 जनवरी, 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र न मिलने के कारण यह अब तक अधर में लटकी है। इस बीच, कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद, फिल्म को जून में रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से कोई मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें, एच. विनोद द्वारा निर्देशित जन नायकन, विजय की आखिरी फिल्म है।

रवीना टंडन की लाडली राशा थडानी ने की नई शुरुआत, महादेव से मांगा आशीर्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल न हुई लेकिन राशा ने अपने अभिनय और डांस की कला से लोगों को मुरीद बना लिया। जल्द ही वह अपनी दूसरी फिल्म लाइक लाइका के जरिए दर्शकों का दिल जीतते दिखाई देंगी, लेकिन इससे पहले उन्होंने एक नई शुरुआत की है। इसके लिए राशा महादेव की शरण में पहुंची और उन्होंने भगवान से आशीर्वाद लिया। राशा ने अपनी आगामी फिल्म लाइक लाइका के गाने छाप तिलक से गायन के क्षेत्र में कदम रखा है। उनका यह गाना यूट्यूब पर जारी किया गया है, जिसे लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती दिखाई दे रही है। गाने की रिलीज के बाद, राशा महादेव का आशीर्वाद लेने और उन्हें गाने को समर्पित करने के लिए मंदिर पहुंची। उन्होंने महादेव की भक्ति में लीन होते हुए कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

Left politicians raise Rahul's 'CJP' comments at opposition meet

New Delhi, Agency: Days after Congress functionary and LoP Rahul Gandhi coined the term "CJP" to deride CPM as "Communist Janata Party", two Left leaders from Kerala complained to the INDIA bloc that such attacks can hurt cohesion within the opposition camp.

CPM MP John Brittas and CPI member Sandosh Kumar told a meeting of opposition parties that Rahul Gandhi should desist from such attacks. They are learnt to have argued that the connecting tissue between parties under the umbrella of INDIA is their anti-BJP stance and that the Left is a strong member of the alliance. Rahul was present in the meeting but did not speak on the issue. The discussion took place during the parliamentary strategy meeting of opposition parties in the office of Congress president Mallikarjun Kharge, with the attendees including Rahul Gandhi, Sanjay Raut (Shiv Sena), KC Venugopal (Congress), Shatabdi Roy (TMC), Dayanidhi Maran (DMK) and Ramgopal Yadav (SP).

After the important discussions, the Left members sought permission to raise some political issues. But Kharge is learnt to have turned down the demand, saying that such matters could be discussed between individual parties, and the gathering of opposition parties had been convened to discuss the parliamentary agenda.

While some members claimed that Brittas and Kumar were cut short, sources said they did put their point across. Though members of India bloc, the Left and Congress are direct rivals in Kerala, with the latter pushing to unseat the Pinarayi Vijayan govt in the state.

During his weekend visit to Kerala, which was packed with campaign events for the upcoming state elections, Rahul alleged that BJP and CPI(M) had reached an agreement to jointly oppose Congress. He said it was no longer CPI(M) and BJP, but CJP (Communist Janata Party). The public meeting was attended by the brass of Kerala Congress. The barb was in line with Congress allegations that the ruling party in Kerala has a tacit understanding with BJP to stall Congress, and the allegations have got shriller since Congress's UDF alliance swept the local body elections in Dec, which are said to be a bellwether for the assembly polls.

Two Delhi-bound flights from Indore diverted to Bhopal; loose bitumen found on runway

New Delhi, Agency: Two IndiGo flights scheduled to land in Indore were diverted to Bhopal on Tuesday after loose bitumen was detected on a section of the runway during a routine inspection amid ongoing recarpeting work.

According to the Indore Airport PRO, the repair and cleaning work was completed within 20 minutes, after which the runway was declared safe and flight operations resumed."During routine inspection, while runway recarpeting work is in progress, some loose bitumen was observed on a section of the runway surface. The Civil Engineering team immediately attended the site, and the required repair and cleaning work was completed within 20 minutes."

"After ensuring that the runway surface was safe and fit for operations, the runway was handed over to ATC for the resumption of flight operations. Due to the temporary disruption, two IndiGo flights, 6E6605 (DEL-IDR) and 6E6219 (RPR-IDR), were diverted to Bhopal. Normal flight operations have since resumed." Meanwhile, a fire broke out late Wednesday in the dry grass in the non-operational area of Indore Airport in Madhya Pradesh. According to Fire Sub Inspector Roopchand Pandit, information about the fire was received and teams were immediately deployed to control the blaze. No casualties were reported in the incident, and flight operations continued uninterrupted, officials said. Local labourers at the site said the fire spread through the adjacent campus and the nearby jungle area.

"Even we don't know how this happened, we have been worried for a very long time, and we called everyone... We don't know how far this fire has spread yet. The fire brigade has also arrived, and everyone is trying to extinguish the fire," a labourer told Media.

ECL Marks Women's Day with Health Camps, Cyber Safety Drives

Sanctoria : Eastern Coalfields Limited celebrated International Women's Day 2026 with a series of health, safety and awareness initiatives across its coalfield areas, focusing on women's well-being, education and empowerment.

The main programme, organised by Women in Public Sector (WIPS) ECL on March 9, was held under the theme "Give to Gain", aligning with the global campaign "Rights. Justice. Action. For All Women and Girls." Senior officials including ECL Chairman-cum-Managing Director Satish Jha, Director (Technical/Operations) Niladri Roy and Director (HR) Gunjan Kumar Sinha attended the event along with members of the Shatakshi Mahila Mandal and their families.

A motivational session highlighted leadership, resilience and confidence among women employees. An awareness programme on digital safety was also conducted by the Kolkata Police Cyber Crime Cell in collaboration with the Subhas Chandra Bose Scholarship Foundation, stressing the importance of cybersecurity in the digital age. Cultural performances by women employees from different ECL areas showcased India's diverse traditions.

In the run-up to the celebrations, WIPS ECL organised a two-day special health camp at Sanctoria Hospital on March 5 and 6. Women employees received preventive health screenings including haemoglobin, blood sugar, calcium, thyroid profile (TSH), vitamin D tests, bone density examinations, general health consultations and gynaecological screening such as Pap smear tests.Awareness programmes were also conducted at Sodepur Colliery High School and Parbelia Colliery High School, where around 150 students participated in sessions on adolescent health, menstrual hygiene, Polycystic Ovary Syndrome, gynaecological cancers and cyber safety.

At Pandaveswar Area, ECL's Medical Department organised a cancer awareness programme on March 7 in association with the Netaji Subhas Chandra Bose Cancer Institute and The Mission Hospital. The programme focused on breast and cervical cancer awareness, early detection and prevention, along with health screenings such as blood glucose, anaemia, blood pressure and oxygen saturation tests.

Women's Day was also observed at the Satgram-Sripur Branch on March 8 at Nazrul Manch, Kopex Colony, where members of Shatakshi Mahila Mandal organised activities including a rangoli competition based on the theme "Give to Gain".

The initiatives were coordinated by WIPS ECL coordinator Smt. Shrabani Choudhury, bringing together employees, medical experts, students and community members to promote health awareness and women's empowerment across ECL's operational areas.

Bank of Baroda Launches BOB Women Sapphire Savings Account with Health Benefits

Mumbai : India's international banking giant, Bank of Baroda, has introduced a premium savings account for women, the BOB Women Sapphire Savings Account, offering a unique blend of health, lifestyle, and banking benefits.

The account provides cancer care coverage of up to ?10 lakh, free online medical consultations for up to six family members, and discounts on medicines and pathology tests. Designed to combine premium banking with lifestyle and wellness, the account includes the BOB RuPay Select Debit Card, granting domestic airport lounge access, free gym memberships, health checkups, spa/salon sessions, OTT subscriptions, and other exclusive privileges.

Account holders also enjoy the BOBCard Tiara Credit Card, offering a 50% waiver on the first-year membership fee in the form of reward points, along with complimentary women's health packages, personal accident coverage, and shopping vouchers from Myntra, Nykaa, Flipkart, and Lakme.

Other benefits include 50% discount on home loan processing fees and 20% reduction in locker charges, up to a maximum of 500. The account is targeted at women aged 18–60 with a monthly average balance of 1 lakh to enjoy the premium health and lifestyle features.

Speaking on the launch, Dr. Debadatt Chand, Managing Director & CEO of Bank of Baroda, said, "The BOB Women Sapphire Savings Account reflects the bank's commitment to delivering meaningful, women-centric financial solutions. Our goal is to integrate premium banking and lifestyle benefits with health advantages, catering to the evolving aspirations of women while strengthening our engagement with the progressive female segment and encouraging savings."The account is positioned as a holistic financial product, offering women not only financial security but also healthcare support and exclusive lifestyle privileges, emphasizing a forward-looking approach to women's empowerment in banking.

By combining medical coverage, wellness initiatives, and premium banking services, Bank of Baroda aims to redefine women's savings accounts in India, providing a comprehensive solution that aligns with modern women's financial and lifestyle needs.

SC asks Centre to draft 'no-fault compensation policy' for serious Covid vaccine side effects

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Tuesday directed the Centre to frame a no-fault compensation policy for those who suffer from serious adverse effects from COVID-19 vaccine. A bench of justices Vikram Nath and Sandeep Mehta said that the existing mechanism for monitoring adverse events following immunisation shall continue.

"Union of India to frame a no-fault compensation policy for serious adverse events following COVID-19 vaccination. The existing mechanism for monitoring adverse events following immunisation shall continue and relevant data may be periodically placed in the public domain," the apex court ordered.

"No separate court-appointed expert body is considered necessary in view of the existing mechanism for scientific assessment of adverse events following immunisation," it added.

However, the apex court said that introduction of such a compensation scheme should not be viewed as an admission of any fault on the government's part.

Supreme Court's delivered its verdict on pleas, including one which alleged that two women lost their lives in 2021 after taking the first dose of the Covishield vaccine.

Smartphones in classrooms Is a complete ban the way forward?

New Delhi, Agency: Hamlet's existential dilemma - 'To be or not to be?' - is finding an echo in Indian schools: To ban or not to ban smartphones in classrooms. With Himachal Pradesh chief minister Sukhvinder Singh Sukhu announcing a ban on the use of mobile phones by students in all govt and private schools from March, and his Karnataka counterpart Siddaramaiah in his budget speech on March 6 announcing a ban on social media for under-16 children, concerns over excessive smartphone use and its impact on children's cognitive abilities are back in the spotlight.

These decisions align with a growing global push to curb the use of smartphones in schools amid rising concerns about shrinking attention spans, social media addiction and distraction in classrooms.

Opposition likely to move notice for CEC removal

New Delhi, Agency: The joint opposition is likely to move a notice for the removal of chief election commissioner Gyanesh Kumar soon after Lok Sabha disposes off the "removal notice" against Speaker Om Birla, latest by Wednesday. The notice against the CEC may be moved in Rajya Sabha.

Sources said TMC raised the demand in the customary strategy session of the opposition INDIA bloc held in the office of Congress president Mallikarjun Kharge on Monday when the budget session resumed after a break. TMC MP Shatabdi Roy is learnt to have impressed upon the gathering the growing problems with the Special Intensive Review of electoral rolls in election-bound West Bengal. She is said to have referred to the need to follow up on TMC's demand on the CEC. Sources said the opposition parties are on board and a notice will be filed soon.

The consensus is significant as TMC has been demanding a removal notice against CEC Kumar for a few months, even though its urgent plea failed to secure an immediate nod from other allies. Interestingly, TMC did not sign the "removal notice" that the joint opposition moved against Speaker Birla towards the end of the first half of the budget session in Feb.

Media had on Feb 14 reported the opposition will move the notice against the CEC upon the resumption of Parliament. The sudden convergence between TMC and the rest of the INDIA bloc was on evidence on Sunday when the Bengal outfit announced that it will support the no-confidence against the Speaker, despite not signing the "removal notice".

AIIMS, ISRO join hands for space medicine research

New Delhi, Agency: India's push into human spaceflight is drawing the country's top medical institute into the mission. The All India Institute of Medical Sciences and the Indian Space Research Organisation's Human Space Flight Centre on Monday signed an agreement to collaborate on space medicine, opening the door for research on how the human body behaves in space - and how those insights could improve healthcare on Earth.

The collaboration establishes a framework for ground-based and space-based research in areas including human physiology, cardiovascular and autonomic regulation, musculoskeletal health in microgravity, microbiome and immunology, genomics and biomarkers, and behavioural health.

Explaining the medical significance of such studies, Prof K K Deepak, former head of physiology at AIIMS, said research on how the human body behaves in space can also help doctors better understand diseases on Earth. "In microgravity, astronauts experience muscle loss, bone weakening and fluid shifts in the body - changes that resemble accelerated ageing. Studying these processes helps scientists understand how ageing affects muscles, bones and circulation in people on Earth," he said.

Technologies developed to counter these effects in astronauts, such as devices that improve blood flow in the legs, could also help treat patients with circulation problems and help maintain muscle strength, he added.

AIIMS director Prof M Srinivas said the collaboration would open new frontiers in medical research. "This MoU will give us the escape velocity to venture into space medicine. Research between AIIMS and ISRO will benefit patients, the nation and ultimately humankind," he said.

Addressing the gathering, Narayanan highlighted the journey of India's space programme from its early days when rockets and equipment were transported using bicycles and bullock carts-to its present position as a global leader in space technology. He said partnerships with institutions such as AIIMS will play an important role in strengthening India's human spaceflight capabilities.

The programme also included an overview of AIIMS' ongoing work in space medicine research presented by Prof Deepak. Officials said the partnership marks a step toward strengthening India's capabilities in human spaceflight and biomedical research as the country advances its space ambitions.

The memorandum of understanding was signed by AIIMS director M. Srinivas and Dinesh Kumar Singh, director of ISRO's Human Space Flight Centre, in the presence of ISRO chairman and secretary, department of space, V. Narayanan, along with senior faculty and students from the institute.